RNI No.-RAJHIN/2009/27584

जयपुर, शनिवार, 01 जुलाई 2023

New Delhi > Mumbai > Jaipur

पेज 02

दैनिक न्यूज़ ऑफ दि डे

NEWS OF THE DAY GROUP

Established 2009 newsofthedayjaipur@gmail.com

पेज 06

वर्ष 14 ■ अंक 320

Contect: 99281 00001, 98282 00001,

पृष्ठ 6 ■ मूल्य 2 रूपये प्रति

न्यू ब्रीफ

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को फोन किया, यूक्रेन पर बातचीत का आह्वान दोहराया

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर यूक्रेन संघर्ष के संदर्भ में बातचीत की और कूटनीति के लिए अपना आह्वान दोहराया।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पुतिन ने मोदी को रूस में हाल के घटनाक्रमों के बारे में जानकारी दी।24 जून को एक निजी रूसी सैन्य कंपनी वैगनर समूह द्वारा रूसी सरकार के खिलाफ तख्तापलट की असफल कोशिश की गई थी। यह रूसी रक्षा मंत्रालय और वैगनर समूह के नेता येवगेनी प्रिगोझिन के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुआ।

इस बीच, पीएमओ के बयान के मुताबिक, यूक्रेन के हालात पर चर्चा करते हुए मोदी ने बातचीत और कूटनीति का अपना आह्वान दोहराया।

बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

बद्रीनाथ और उत्तरकाशी में अब भूस्खलन का खतरा

चमोली/उत्तरकाशी । जोशीमठ में भू धंसाव और दरारों से लोगों को अभी तक राहत भी नहीं मिली थी कि अब बदरीनाथ और उत्तरकाशी में भी कई भवन भूस्खलन की जद में आ गए हैं। यहां भी धीरे-धीरे जमीन खिसक रही है और भूस्खलन का खतरा हर पल बढ़ रहा है। बदरीनाथ धाम मास्टर प्लान महायोजना के तहत चल रहे रीवर फ्रंट के कार्यों से बदरीनाथ पुराने मार्ग पर कई भवनों को भूस्खलन का खतरा पैदा हो गया है। इतना ही नहीं भवनों के नीचे से धीरे-धीरे जमीन खिसक रही है।

रुक-रुककर हो रही बारिश से अलकनंदा का जलस्तर भी बढ़ गया है। इससे मकानों को और भी खतरा बना हुआ है। नदी के समीप स्थित हरि निवास पूरी तरह से भूस्खलन की जद में आने के कारण प्रोजेक्ट इंप्लीमेंशन यूनिट(पीआईयू) की ओर से इसके डिस्मेंटल की कार्रवाई की जा रही है। बदरीनाथ मास्टर प्लान में द्वितीय चरण के तहत बदरीनाथ मंदिर के इर्द-गिर्द 75 मीटर तक निर्माण कार्यों को ध्वस्त किया जा रहा है। अलकनंदा किनारे बदरीनाथ पुराने मार्ग पर दुकानों और तीर्थ

महाराष्ट्र : समृद्धि महामार्ग एक्सप्रेसवे पर नागपुर से पुणे जा रही बस में लगी आग; 25 लोगों की जलकर मौत

न्यूज ऑफ दि डे

पुणे। महाराष्ट्र में शनिवार रात भीषण हादसा हो गया। यहां बुलढाणा में नागपुर से पुणे जा रही एक बस हादसे का शिकार हो गई। जानकारी के मुताबिक, बस जब समृद्धि महामार्ग एक्सप्रेसवे पर बुलढाणा के पास थी तभी बस पलट गई और इसके बाद उसमें भीषण आग लग गई। बुलढाणा पुलिस के डिप्टी एसपी बाबूराव महामुनि के मुताबिक, बस में 33 लोग सवार थे। जिनमें से 25 लोगों की जलकर मौत हो गई। वहीं, अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बुलढाणा पुलिस के डिप्टी एसपी बाबूराव महामुनि ने इसके बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात करीब दो बजे की है। बस से 25 शव निकाले गए हैं। बस में कुल 32 लोग सवार थे। छह से आठ लोग घायल हैं। फिलहाल हादसे की सही वजहों का पता नहीं चल पाया है। घायलों को बुलढाणा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है।

इस बीच, बुलढाणा एसपी सुनील कड़ासने ने बताया कि बस में कुल 33 लोग सवार थे, जिनमें से 25 लोगों की मौत हो गई और 8 लोग घायल हो गए। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। बस का ड्राइवर भी बच गया और उसने कहा कि टायर फटने के बाद बस पलट गई, जिससे बस में आग लग गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस पहले नागपुर से औरंगाबाद की ओर जाने वाले रास्ते पर दाहिनी ओर एक लोहे के खंभे से टकराई। जिसके बाद ड्राइवर ने संतुलन खो दिया। इस दौरान बस रोड के बीच बने कंक्रीट के डिवाइडर से टकराकर पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह भी बताया कि बस बायीं तरफ पलटी, जिससे बस का दरवाजा नीचे आ गया। ऐसे में उसमें सवार लोग बाहन नहीं निकल सके। बताया ये भी जा रहा है कि हादसे के दौरान बस से बड़ी मात्रा में डीजल सड़क पर फैल गया। डीजल फैलने के कारण ही बस में आग लग गई।

मंत्रिमंडल की बैठक : केबिनेट बैठक में नवीन जिलों के गठन पर चर्चा पूर्ण

- सभी विद्यालयों में प्रारंभ होगा संविधान की उद्देशिका एवं मौलिक कर्तव्यों का पाठन
- तीन सेवा नियमों में संशोधन, राज्य के अभ्यर्थियों को सरकारी सेवा में मिल सकेंगे अधिक अवसर
- एक वेतन वृद्धि की तिथि के स्थान पर अब दो तिथियां, प्रथम वेतन वृद्धि होगी 6 माह में सुनिश्चित -
- संस्कृत विद्यालयों में विद्यार्थियों को मिल सकेगी कंप्यूटर शिक्षा

न्यूज ऑफ दि डे

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित हुई। इसमें नवीन जिलों के गठन पर चर्चा, विद्यालयों में संविधान की उद्देशिका एवं मौलिक कर्तव्यों का पाठन, कार्मिकों के हित में प्रथम वेतन वृद्धि 6 माह में करने, प्रदेश के युवाओं को राजकीय सेवा में ज्यादा अवसर देने के संबध में निर्णय लिए गए। साथ ही, संस्कृत विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा और राजस्थान आईएलडी स्किल्स यूनिवर्सिटी का नाम 'दी विश्वकर्मा स्किल्स यूनिवर्सिटी' करने सहित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

नवीन जिलों के गठन पर चर्चा पूर्ण : मंत्रिमण्डल की बैठक में नवीन जिलों के गठन के लिए बनाई गई राम लुभाया कमेटी की रिपोर्ट पर चर्चा पूर्ण हो गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन नवीन जिलों से राज्य के विकास को एक नई गति मिलेगी तथा आमजन की सुगमता बढेगी।

विकास संबंधी योजनाओं का क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग अधिक प्रभावी ढंग से होगी, जिससे आमजन को सरकारी योजनाओं, सुविधाओं और सेवाओं का लाभ शीघ्र मिल सकेगा।

प्रदेश के पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों तक जिला प्रशासन एवं उसके माध्यम से सरकार की पहुंच और अधिक सुगम होगी, जिससे इन क्षेत्रों के लोगो की समस्याओं का शीघ्र निराकरण होगा।

जमीन संबंधी एवं दीवानी मामलों के न्यायालय नजदीक होने से आमजन के समय और धन की बचत होगी तथा इन मामलों का त्वरित निस्तारण हो सकेगा। आमजन से सीधे जुड़े विभिन्न विभागों के नवीन कार्यालय खुलने से सेवा प्रदान तथा समस्या निवारण जल्दी हो सकेगा।

जिलों का आकार संतुलित होने से कानून व्यवस्था पर अधिक प्रभावी नियंत्रण हो सकेगा, जिससे अपराधों पर अंकुश लगेगा।

इससे आमजन एवं जिला प्रशासन में सवांद बढ़ेगा तथा जन अभाव अभियोगों का शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण संभव होगा। नये जिला मुख्यालयों के कारण जिला मुख्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में शहरीकरण तथा औद्योगीकरण में बढ़ोतरी से निवेश व रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे।

नवीन कार्यालयों एवं बढ़े हुए प्रशासनिक मानव संसाधन के कारण चिकित्सा, शिक्षा एवं आमजन से जुड़ी ऐसी ही आवश्यक सेवाऐं और अधिक प्रभावी ढ़ग से दी जा सकेगी।

नये जिला मुख्यालयों के कारण सड़क, रेल एवं यातायात के अन्य नवीन मार्गों का विकास होगा, जिससे विकास एवं रोजगार के नये अवसर उत्पन्न होंगे। इस बार के बजट में 19 जिलों की घोषणा की गई थी। इस क्रम में रामलुभाया समिति द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट, विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त ज्ञापनों और जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुये केबिनेट द्वारा आंकलन कर सीमा निर्धारण के संबंध में चर्चा की गई।

सभी विद्यालयों में प्रारंभ होगा संविधान की उद्देशिका (Pre-amble) एवं मौलिक कर्तव्यों का पाठन मंत्रीमण्डल की बैठक में प्रत्येक विद्यालय में संविधान की उद्देशिका एवं मौलिक कर्तव्यों का पाठन आरंभ करने का निर्णय लिया गया है। इससे प्रदेश की युवा पीढ़ी का देश के महान संविधान, लोकतंत्र एवं राष्ट्रीयता पर विश्वास तथा गर्व और अधिक सुदृढ़ हो सकेगा। यह पाठन विद्यालयों में प्रति शनिवार (नो बैग डे) किया जाएगा। नई प्रकाशित होने वाली पाठ्य पुस्तकों में भी संविधान की उद्देशिका एवं मौलिक कर्तव्यों को प्रकाशित किया जाएगा।

हला जत्था आज करेगा बाबा के प्रथम दर्शन, बालटाल व पहलगाम से पवित्र गुफा की ओर रवाना

न्यूज ऑफ दि डे

इस बीच शुक्रवार तड़के जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से बम-बम भोले और जय बाबा बर्फानी के जयघोष के बीच पहले जत्थे में 164 छोटे बड़े वाहनों में 3488 यात्री रवाना हुए, जो देर शाम को कड़ी सुरक्षा के बीच बालटाल और पहलगाम बेस कैंपों में पहुंच गए थे।

देशभर से आए भक्तों में भारी उत्साह है। बाबा भोले के भक्तों में पुरुष, महिला, साधु-संन्यासी के साथ ही मंगलामुखी भी शामिल हैं। साध्वी भी बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने के लिए आतुर दिखीं। बालटाल और पहलगाम के नुनवान बेस कैंप में पहुंचने के दौरान रास्ते भर अमरनाथ यात्रियों का जोरदार स्वागत किया गया।

रास्ते भर सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में यात्रियों को कश्मीर के दोनों बेस कैंप में पहुंचाया गया। शनिवार को तड़के अमरनाथ यात्री बालटाल के दोमेल तथा पहलगाम के चंदनबाड़ी से पवित्र गुफा के लिए आगे बढ़ेंगे। बालटाल तथा नुनवान बेस कैंप में रातभर भजन कीर्तन चलता रहा। बाबा भोले के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। अमरनाथ यात्रा में यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक यात्री के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) कार्ड अनिवार्य बनाया गया है। इस कार्ड के बिना किसी भी यात्री को यात्रा की अनुमति नहीं है। इसे यात्री को हमेशा अपने साथ गले में लटकाए रखना है, ताकि उनकी पहचान सुनिश्चित हो सके। दक्षिण कश्मीर में पहलगाम के नुनवान रूट से पवित्र गुफा की दूरी 32 किलोमीटर और मध्य कश्मीर में गांदरबल के बालटाल मार्ग से यह दूरी 14 किलोमीटर है।

उदयपुर जनसभा में शाह ने अपने संबोधन से पहले वसुंधरा को किया याद, खुद से पहले दिया भाषण का मौका

नौ सालों में मोदी ने वो कर दिखाया जो आज तक गैर बीजेपी सरकारें नहीं कर पाईं

उदयपुर।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उदयपुर में जनसभा के दौरान का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। इसमें वो नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को इशारा कर वसुंधरा राजे के भाषण के लिए कहते दिख रहे हैं।

दरअसल, सभा के दौरान गृहमंत्री के स्वागत के बाद प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने भाषण दिया। इसके बाद राजेंद्र राठौड़ ने भाषण देने के लिए गृह मंत्री का नाम पुकारा और शाह के स्वागत में मंच से नारे भी लगवाने शुरू कर दिए। इसी बीच मंच पर बैठे शाह ने इशारा करते हुए वसुंधरा राजे का भाषण कराने की बात कही। गृह मंत्री के कहने के बाद वसुंधरा राजे मंच पर पहुंचीं और भाषण दिया। वसुंधरा ने गहलोत सरकार पर जमकर हमला बोला। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने अमित शाह की जनसभा में कहा कि राजस्थान का कश्मीर उदयपुर गहलोत के नेतृत्व में आतंकवाद की भेंट चढ़ गया है। कन्हैयालाल की गला काटकर 28 जून 2022 को हुई निर्मम हत्या से राजस्थान कांप उठा था, सीएम अशोक गहलोत वोटबैंक की राजनीति कर रहे हैं। पूर्व सीएम और

बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने कहा कि भारत को ताकतवर देश बनाने वाले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राजस्थानी संस्कृति को जीवंत करती हुई स्वर्ग सी सुंदर मेवाड़ की धरती पर में झुककर आप सभी को प्रणाम करती हूं। उदयपुर राजस्थान का कश्मीर है। आपने कश्मीर के अंदर आतंकवाद खत्म कर दिया। वहां तो शांति का एक नया कश्मीर बना दिया, लेकिन राजस्थान का कश्मीर कहा जाने वाला उदयपुर अशोक गहलोत के नेतृत्व में आतंकवाद की भेंट चढ़ चुका है। एक साल पहले 28 जून 2022 को कन्हैयालाल का गला काटकर जिस तरह निर्मम हत्या की गई थी, उससे राजस्थान कांप उठा था, लेकिन अशोक गहलोत वोट की राजनीति कर रहे हैं। कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी अशोक गहलोत की है। बिहार, पश्चिम बंगाल से लोग आकर राजस्थान उदयपुर में वैमनस्य और कट्टरवाद फैलाने का काम कर रहे हैं, क्या अशोक गहलोत को ये पता नहीं है?

वसुंधरा राजे ने कहा कि नौ सालों में मोदी ने वो करके दिखाया जो आज तक गैर बीजेपी सरकारें नहीं कर पाईं। देश में हर व्यक्ति आज मुक्त कंठ से ये कहता है मोदीजी के 9 साल और भारत हुआ निहाल। एक वो वक्त था जब अमेरिका भारत को तवज्जो ही नहीं देता था। आज वही अमेरिका मोदीजी के स्वागत में एक पैर पर खड़ा हम सबको दिखाई दिया। पलक पावड़े बिछाकर उनका स्वागत किया गया। मोदीजी ने 9 साल में गरीबी हटाने का काम देश से किया। मॉनिटरी फंड और बहुत सारी संस्थाओं ने इसकी मॉनिटरिंग की है। जो अमीर को सुविधा है वही गरीब को भी मिल रही है। अमीर के घर में गैस कनेक्शन है, तो वही सुविधा उज्ज्वला योजना से गरीब को भी मिल रही है। जिन अस्पतालों में अमीर इलाज कराते हैं, उन्हीं में आयुष्मान योजना में गरीबों का भी इलाज हो रहा है। पीएम सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन, शौचालय, अयोध्या में भव्य राम मंदिर, कश्मीर से धारा 370 हटाने और सर्जिकल स्ट्राइक ने सिद्ध कर दिया है कि मोदी जी के सामने कोई बड़े से बड़ा खड़ा नहीं रह पाया है।

संपादकीय...

नवाज शरीफ की वापसी के लिए इमरान को 'वनवास' भेजने की तैयारी

सैयद शाहनवाज अली
प्रधान संपादक

उथल-पुथल से जूझ रहे पाकिस्तान में हाल ही नेशनल एसेंबली ने एक विधेयक पारित किया है, जिसमें किसी भी सांसद की अयोग्यता की अवधि को आजीवन से घटाकर पांच वर्ष कर दिया गया है। इससे पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की राष्ट्रीय राजनीति में वापसी का रास्ता साफ हो गया है, जिन्हें वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने जीवन भर के लिए अयोग्य ठहरा दिया था।

उधर अपनी श्रेष्ठता स्थापित करने के लिए पाकिस्तानी सेना ने अपने तीन वरिष्ठ अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया, जो कथित तौर पर नौ मई को दंगाइयों को सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ करने से नहीं रोक पाने के लिए जिम्मेदार थे। सैन्य अधिकारियों ने इमरान खान और उनके समर्थकों के खिलाफ सैन्य अधिनियम के तहत मुकदमा भी चलाया है, जिसका पाकिस्तान में राजनीतिक असर हो सकता है।

खबरों में कहा गया है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इमरान खान को चुनावी मैदान से बाहर रखने पर तुले हुए हैं, इसलिए उन्हें या तो जेल भेजा जा सकता है या चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के इमरान समर्थक प्रधान न्यायाधीश उमर अता बांदियाल 16 सितंबर को सेवानिवृत्त होंगे, और नए प्रधान न्यायाधीश काजी फैज इशा 17 सितंबर को कार्यभार संभालेंगे, जिससे शरीफ सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच जारी मौजूदा टकराव खत्म हो जाएगा, क्योंकि नए प्रधान न्यायाधीश को निष्पक्ष माना जाता है। यह इमरान खान के लिए बुरी खबर हो सकती है, जिन्हें बांदियाल का काफी समर्थन मिला।

प्रधानमंत्री शरीफ इमरान खान के खिलाफ 'भारतीय कार्ड' का खूब इस्तेमाल करते हैं, जो नवाज शरीफ की वापसी के बाद और तेज हो सकता है। और यह इमरान के लिए घातक हो सकता है, क्योंकि इसका उद्देश्य इमरान की पीटीआई को खत्म करना है। इमरान खान ने जनरल असीम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना से भी सीधे टकराव मोल लिया है। भारतीय कार्ड आम लोगों को इमरान खान से दूर कर सकता है। शरीफ बंधु और पाकिस्तान की सरकार इमरान को सबक सिखाना चाहते हैं, इसलिए वे भारतीय मीडिया में छपी उनकी तारीफों का उदाहरण दे रहे हैं। प्रधानमंत्री शरीफ ने नौ मई की हिंसा की तुलना आतंकवादी कार्रवाई से की है, जो इमरान के सियासी करियर के अंत की शुरुआत हो सकती है, और उनका जीवन भी खतरे में पड़ सकता है। शरीफ सरकार इमरान की पार्टी पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। भारतीय कार्ड का विश्लेषण करते हुए पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार हामिद मीर कहते हैं, इससे पहले भी कई नेताओं को भारत का एजेंट बताया गया था। उन्होंने कहा, अयूब खान ने कभी मोहम्मद अली जिन्ना की बहन फातिमा जिन्ना को और याहया खान ने शेख मुजीबुर रहमान को भारतीय एजेंट बताया था।

अब एक नए प्रचार ने पीटीआई के कई नेताओं की कमर तोड़ दी है, जिनमें से कुछ नेता पार्टी ही नहीं, राजनीति भी छोड़ रहे हैं। भारतीय सेना के एक सेवानिवृत्त मेजर गौरव आर्य के ट्वीट के आधार पर कहा जा रहा है कि इमरान खान भारत को खुश करने के लिए काम कर रहे हैं। सैन्य अदालतों ने इमरान खान एवं उनके समर्थकों के खिलाफ ऑफिसियल सेक्रेट एक्ट, 1952 के तहत मुकदमा शुरू किया है, जिसमें मृत्युदंड एवं आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। 'लोगों के रक्षक' के रूप में सेना की प्रतिष्ठा दांव पर है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सैन्य प्रमुख की सख्त कार्रवाई का उद्देश्य यह संकेत देना हो सकता है कि अब भी सेना की शक्ति में कोई गिरावट नहीं आई है, और वही पाकिस्तान के मामलों में सर्वोच्च है। पाकिस्तानी सेना ने तीन बार तख्तापलट करके मुल्क का शासन अपने हाथों में लिया है। सेना ने घरेलू राजनीति और विदेशी मामलों में अपना दबदबा कायम किया और खुद को आम लोगों के 'उद्धारकर्ता' के रूप में पेश किया। लेकिन इमरान खान ने सेना को चुनौती दी और जब वह प्रधानमंत्री थे, तो जनरलों के तबादलों और पोस्टिंग में हस्तक्षेप किया, जिससे शीर्ष जनरलों के साथ उनका टकराव हुआ। इमरान खान ने वर्तमान सेना प्रमुख मुनीर को आईएसआई प्रमुख के पद से हटाने में प्रमुख भूमिका निभाई थी और जनरल कमर बाजवा के साथ भी उनके गंभीर मतभेद हो गए थे। इमरान और उनके समर्थकों के खिलाफ सैन्य अदालत में मुकदमा चलाने का फैसला इसलिए लिया गया, ताकि सुप्रीम कोर्ट सहित अन्य अदालत उन लोगों को राहत न दे सके, जिन्हें सैन्य अदालतों द्वारा सजा सुनाई जाएगी। लेकिन पाकिस्तान में उथल-पुथल भारत के हित में नहीं है। विश्लेषकों का मानना है कि सेना का नागरिक प्रशासन में अपना वर्चस्व फिर से स्थापित करना निश्चित है। और सैन्य नियंत्रण का मतलब होगा कश्मीर घाटी में आतंकी हमलों में वृद्धि, क्योंकि आईएसआई अपने फायदे के लिए प्रतिशोध की भावना से ऐसा कर सकती है।

शरीफ सरकार का सुप्रीम कोर्ट एवं राष्ट्रपति आरिफ अल्वी से सीधा टकराव है, जो इमरान समर्थक और पीटीआई के पूर्व कार्यकर्ता रहे हैं, इससे पाकिस्तान में लोकतंत्र के अस्तित्व पर खतरा पैदा हो गया है। शरीफ सरकार ने प्रधान न्यायाधीश पर सीधे हमला किया और संसद में कानून पारित कर उनसे शक्तियां छीन लीं। शरीफ सरकार ने उन्हें इमरान समर्थक बताते हुए सुप्रीम कोर्ट का आदेश मानने से इन्कार कर दिया। राष्ट्रपति अल्वी ने संसद द्वारा पारित विधेयक को रोक दिया। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि पाकिस्तान में मौजूदा उथल-पुथल निकट भविष्य में अर्थव्यवस्था के पतन की प्रक्रिया को तेज कर सकती है।

भारत की पाकिस्तान पर फिर हुई कूटनीतिक जीत, पड़ोस में बुरा दौर खत्म होने की उम्मीदें भी कम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की औपचारिक बातचीत के बाद जारी संयुक्त बयान से पाकिस्तान की बेचैनी खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। संयुक्त बयान में कहा गया है, 'प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति बाइडन ने संयुक्त राष्ट्र में सूचीबद्ध सभी आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने सीमा पार आतंकवाद और आतंकवादी प्रॉक्सी के इस्तेमाल की कड़ी निंदा की और पाकिस्तान से यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया कि उसके देश का इस्तेमाल आतंकवादी हमले शुरू करने के लिए न किया जाए। उन्होंने 26/11 के मुंबई और पठानकोट हमलों के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया।' 26/11 में अमेरिकी नागरिक भी मारे गए थे, इसलिए अमेरिका की इसमें दिलचस्पी है। ये बयान पाकिस्तान के लिए दिल पर चोट जैसा था।

पाकिस्तान को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री मोदी कश्मीर में मानवाधिकारों पर व्याख्यान देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि भारत मानवाधिकारों पर व्याख्यान नहीं देगा। जिस बात ने पाकिस्तान को सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह संयुक्त विज्ञप्ति में जोड़ी गई टिप्पणियां थीं, जिसमें लिखा था, 'भारत और अमेरिका ने वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) से मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए अपने मानकों के वैश्विक कार्यान्वयन में सुधार करने के तरीके की पहचान करने के लिए कहा।' साफ है कि यह पाकिस्तान के लिए चेतावनी थी कि वह अपने में सुधार करे या फिर ग्रे लिस्ट में जाने के लिए तैयार रहे।

पाकिस्तान के प्रवक्ता ने इन टिप्पणियों का खंडन करते हुए कहा, 'हम संयुक्त बयान में पाकिस्तान से संबंधित टिप्पणियों को अनुचित, एकतरफा और भ्रामक मानते हैं। यह राजनयिक मानदंडों के विपरीत है और इसके राजनीतिक निहितार्थ हैं। हमें आश्चर्य है कि अमेरिका के साथ पाकिस्तान के करीबी आतंकवाद विरोधी सहयोग के बावजूद इसे जोड़ा गया है।' उसने अमेरिकी दूतावास के मिशन के उप प्रमुख को भी तलब किया और आपत्ति पत्र सौंपा।

खुद को बचाने की पाकिस्तान की कोशिशें तब और विफल हो गईं, जब अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपनी दैनिक प्रेस वार्ता में कहा, 'हम पाकिस्तान के सभी आतंकवादी समूहों और उसके विभिन्न प्रमुख संगठनों को स्थायी रूप से नष्ट करने के लिए कदम उठाने पर भी लगातार कायम रहे हैं। हम इस मुद्दे को पाकिस्तानी अधिकारियों के समक्ष नियमित रूप से उठाएंगे।' जाहिर है, पाकिस्तान के पास मामले को शांत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

पाकिस्तान ने हाल के दिनों में अमेरिका और चीन के साथ अपने संबंधों को संतुलित करने का प्रयास किया है। उसे आईएमएफ से ऋण लेने और भारत को नियंत्रण में रखने के लिए अमेरिका की जरूरत है, जबकि राहत पैकेज और निवेश के लिए चीन की। लेकिन भारत अब मजबूती से अमेरिका के साथ जुड़ा है, जबकि पाकिस्तान को अमेरिकी खेमे से बाहर किया जा रहा है।

भारत-अमेरिकी संयुक्त बयान भारत के लिए कूटनीतिक जीत है, जिससे इस्लामाबाद के खिलाफ अधिक आक्रामक रुख अपनाने के दरवाजे खुल गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के कुछ ही दिनों बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का बयान आया, जिसमें उन्होंने कहा कि कश्मीर के एक हिस्से पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा उसे इस क्षेत्र में कोई वैधता नहीं देता है। उन्होंने आगे कहा कि हमें ज्यादा कुछ नहीं करना पड़ेगा। पीओके की प्रताड़ित जनता खुद भारत का हिस्सा बनने की मांग करेगी। वे भारत का हिस्सा बनने के लिए नारे लगा रहे हैं। इसके जरिये भारत के लोगों को संदेश दिया गया कि सरकार पीओके को भारत का हिस्सा मानती है और इस पर कोई समझौता नहीं करेगी।

दूसरी तरफ पीओके के लोगों को यह संदेश दिया गया कि आप अपनी आवाज उठाएं, हथियार उठाएं और पाकिस्तानी सेना को चुनौती दें। तभी भारत में आपके शामिल होने का माहौल तैयार होगा। नियंत्रण रेखा से बंटे कश्मीर के दोनों हिस्सों में भारी अंतर है। एक हिस्सा विकास देख रहा है, जबकि दूसरा हिस्सा उपेक्षा का शिकार है। एक तरफ जीवन-स्तर में बढ़ोतरी देखी जा रही है, तो दूसरी तरफ गिरावट। एक समय आएगा, जब पीओके के लोग भारत में मिलने के लिए हथियार उठा लेंगे।

अनुच्छेद 370 हटाने के बाद भारत ने बातचीत के जरिये कश्मीर के समाधान का जिक्र बंद कर दिया है। यह संदेश दे दिया गया है कि कश्मीर पर बात नहीं होगी, केवल पीओके पर बात होगी। भारत ने आक्रामक कूटनीति के जरिये पाकिस्तान को अलग-थलग कर दिया है। साथ ही एफएटीएफ की निगरानी भी बढ़ गई है, इसलिए पाकिस्तान को सावधानी से चलना होगा। अगर उसने एक भी गलत कदम उठाया, तो उसे वैश्विक आक्रोश का सामना करना पड़ सकता है।

पाकिस्तान ने अपना सामरिक महत्व खो दिया है, जबकि भारत का वैश्विक स्तर पर सम्मान हो रहा है। भारत-अमेरिका संबंधों में मजबूती के कारण पाकिस्तान स्वयं को अलग-थलग महसूस कर रहा है। अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग करने वाली उसकी कश्मीर नीति की नई दिल्ली ने अनदेखी कर दी है। उभरता हुआ भारत अब निर्णायक फैसले ले रहा है।

चीन लगातार पाकिस्तान का समर्थन कर रहा है। हाल ही में उसने पाकिस्तानी नागरिक साजिद मीर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने की भारत-अमेरिकी मांग को रोक दिया। घाटी में जी-20 बैठक पर रोक लगाने की पाकिस्तान की मांग का भी उसने समर्थन किया। अमेरिका-चीन के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता से पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। चीन के साथ उसकी नजदीकी से अमेरिका के साथ संबंधों पर असर पड़ा है।

पाकिस्तान की राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा चिंताएं उसकी बेचैनी बढ़ा रही हैं। कुछ महीनों के भीतर चुनाव होने से वहां की स्थिति और खराब होगी। वह मात्र खंडन करने, भारतीय टिप्पणियों का जवाब देने और आतंकवादी गतिविधियों में कटौती करने में सक्षम है। वह जानता है कि यदि उसका कोई भी कदम भारत की सहनशीलता को पार करेगा, तो उसके विनाशकारी परिणाम होंगे।

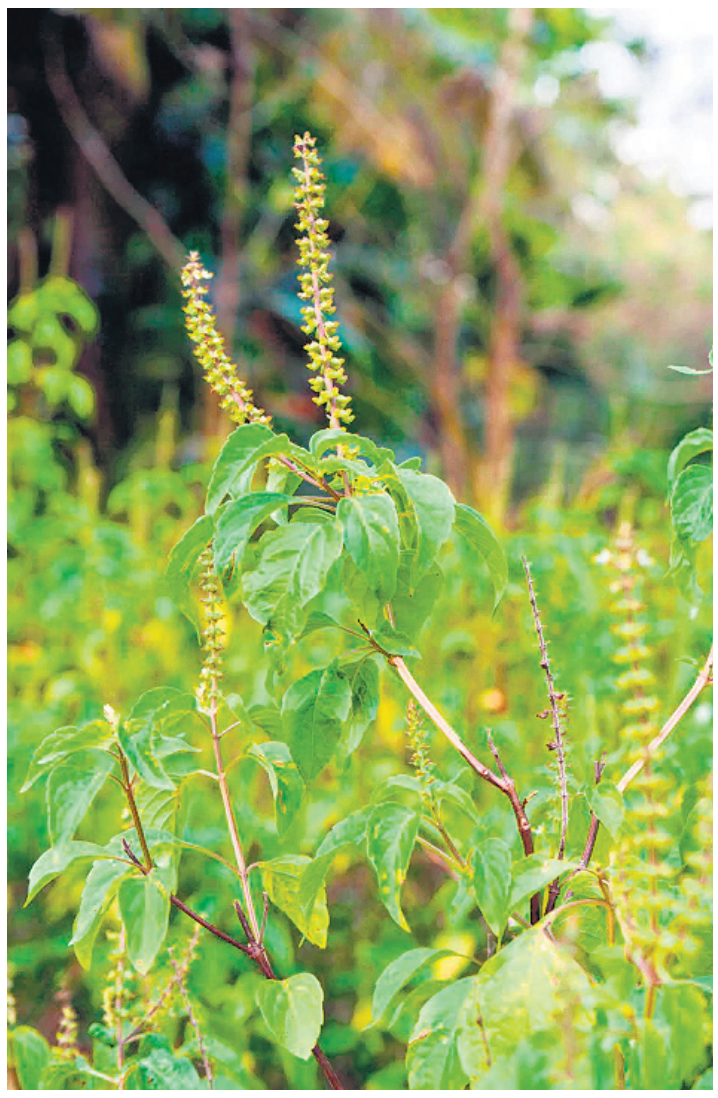

औषधीय उपयोग के लिए होती है तुलसी की खेती

तुलसी का वानस्पातिक नाम ओसिमम सैंकशम है। तुलसी एक घरेलू पौधा है और यह भारत में व्यापक स्तर पर उगाया जाता है। इसको विभिन्न स्थानों पर विभिन्न नामों से जाना जाता है जैसे अंग्रेजी में होली बेसिल, तमिल में थुलसी, पंजाबी में तुलसी और उर्दू में इमली आदि। तुलसी की लोगो द्वारा पूजा भी की जाती है। तुलसी के औषधीय गुण जैसे कि जीवों और विषाणुओं के रोधक होने के कारण यह हवा को शुद्ध करने में सहायक है। तुलसी से बनी दवाइयों को तनाव, बुखार, सूजन को कम करने और सहनशक्ति को बढाने के इलाज के लिए प्रयोग किया जाता है। साल में इसकी झाडी की औसतन ऊंचाई 2 से 4 फीट होती है। इसके फूल छोटे और जामुनी रंग के होते हैं। यह भारत में हर जगह पर पाई जाती है।

खेती के लिए मिट्टी

यह कई तरह की मिट्टी में उगाई जाती है। इसकी पैदावार के लिए नमकीन, क्षारीय और पानी खडा होने वाली मिट्टी से बचाव करें। यह बढिया निकास वाली मिट्टी जिसमे बढिया जैविक तत्व मौजूद हों, में बढिया परिणाम देती है। इसके बढिया विकास के लिए मिट्टी का पीएच 5.5-7 होना चाहिए।

जमीन की तैयारी

तुलसी की खेती के लिए, अच्छी तरह से शुष्क मिट्टी की मांग की जाती है। मिट्टी के भुरभुरा होने तक हैरो के साथ खेत की जोताई करें, फिर रूडी की खाद मिट्टी में मिलाएं। तुलसी की रोपाई सीड बैड पर करें।

सिंचाई

गर्मियों में, एक महीने में 3 सिंचाइयां करें और बरसात के मौसम में, सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। एक साल में 12-15 सिंचाइयां करनी चाहिए। पहली सिंचाई रोपण के बाद करें और दूसरी सिंचाई नए पौधों के स्थिर होने पर करें। 2 सिंचाइयां करनी आवश्यक है और बाकी की सिंचाई मौसम के आधार पर करें।

हानिकारक कीट और रोग रोकथाम

पत्ता लपेट सुंडी

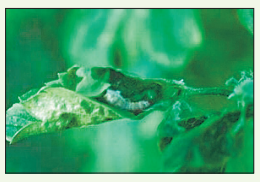

यह सुंडिया पत्तों, कली और फसल को अपना भोजन बनाती है। यह पत्तों की सतह पर हमला करते है और उसे मरोड देती है। इसकी रोकथाम के लिए, इसकी रोकथाम के लिए, 300 मि.ली. कुइनल्फोस को 150 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड पर स्प्रे करें।

तुलसी के पत्तों का कीट

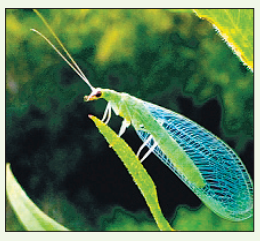

यह पत्तों को खाते है और अपना मल छोडते हैं जोकि पत्तों के लिए बहुत नुकसान-दायक है। शुरुआत में पत्ते मुड जाते है और सूख जाते है।
इस कीट की रोकथाम के लिए, ऐज़ाडिरैकटिन 10,000 पी पी एम कंसंट्रेशन 5 मि.ली. प्रति लीटर पानी में मिलकर स्प्रे करें।

पत्तों के धब्बे

इस बीमारी से फंगस जैसा पाउडर पत्तों और पौधे को प्रभावित करता है। इसकी रोकथाम के लिए, मैनकोजेब 4 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे करें।

पौधों का झुलस रोग

यह फंगस की बीमारी है जो बीजों और नए पौधों को नष्ट कर देती है। इसकी रोकथाम के लिए, इसके लिए फाईटो सेनेटरी विधि का प्रयोग करें।

जड गलन

घटिया निकास के कारण इस पौधे की जडें गल जाती है। इसके लिए फाईटो सेनेटरी विधि का प्रयोग करें। जड गलन की रोकथाम के लिए बाविस्टिन 1 फीसदी को नर्सरी बैडों के साथ-साथ डालें।

तुलसी की बिजाई

बिजाई का समय: फरवरी के तीसरे महीने में नर्सरी बैड तैयार करें।
फासला: पौधे के विकास के अनुसार, 4.5 × 1.0 × 0.2 मीटर के सीड बैड तैयार करें। बीजों को 60×60 सैं.मी. के फैसले पर बोयें।
बीज की गहराई: बीजों को 2 सैं.मी. की गहराई पर बोयें।
बिजाई का ढंग: बिजाई के 6-7 हफ्ते बाद, फसल की रोपाई खेत में करें।
बीज की मात्रा: तुलसी की खेती के लिए 120 ग्राम बीजों का प्रयोग प्रति एकड में करें।

बीज का उपचार

फसल को मिट्टी से पैदा होने वाली बीमारीयों से रोकथाम के लिए, बिजाई से पहले मैनकोजेब 5 ग्राम प्रति किलोग्राम से बीजों का उपचार करें।

पनीरी की देख-रेख और रोपण

फसल की बढिया पैदावार के लिए बिजाई से पहले 15 टन रूडी की खाद मिट्टी में डालें। तुलसी के बीजों को तैयार बैडों के साथ उचित अंतराल पर बोयें। मानसून आने के 8 हफ्ते पहले बीजों को बैड पर बोयें। बीजों को 2 सैं.मी. की गहराई पर बोयें। बिजाई के बाद, रूडी की खाद और मिट्टी की पतली परत बीजों पर बना दें। इसकी सिंचाई फुवारा विधि द्वारा की जाती है।
रोपाई के 15-20 दिनों के बाद, नए पौधों को तंदरुस्त बनाने के लिए 2 फीसदी यूरिया का घोल डालें। 6 हफ्ते पुराने और 4-5 पत्तों के अंकुरण होने पर अप्रैल के महीने में नए पौधे तैयार होते है। तैयार बैडों को रोपाई 24 घंटे पहले पानी लगाएं ताकि पौधों को आसानी से उखाडा जा सकें और रोपाई के समय जडें मुलायम और सूजी हुई हो।

खरपतवार नियंत्रण

खेत को नदीनों से मुक्त करने के लिए कसी की मदद से गोडाई करें। नदीनों की रोकथाम कम न होने पर यह फसल को नुकसान पहुंचाते है। रोपण के एक महीने बाद पहली गोडाई और पहली गोडाई के चार हफ्ते बाद दूसरी गोडाई करें। रोपण के दो महीने बाद कसी से अनुकूल गोडाई करें।

फसल की कटाई

रोपण के तीन महीने के बाद पौधा पैदावार देनी शुरू कर देता है। इसकी तुडाई पूरी तरह से फूल निकलने के समय की जाती है। पौधे को 15 सैं.मी. जमीन से ऊपर रखकर शाखाओं को काटें ताकि इनका दोबारा प्रयोग किया जा सकें। भविष्य में प्रयोग करने के लिए इसके ताडे पत्तों को धूप में सूखाया जाता है।

कटाई के बाद

तुडाई के बाद, पत्तों को सूखाया जाता है। फिर तेल की प्राप्ति के लिए इसका अर्क निकाला जाता है। इसको परिवहन के लिए हवादार बैग में पैक किया जाता है। पत्तों को सूखे स्थान पर स्टोर किया जाता है। इसकी जडों से कई तरह के उत्पाद जैसे तुलसी अदरक, तुलसी पाउडर, तुलसी चाय और तुलसी कैप्सूल आदि तैयार किये जाते है।

प्रसिद्ध किस्में और पैदावार

द्रुद्रीहा तुलसी:

यह मुख्य रूप से बंगाल, नेपाल, चटगांव और महाराष्ट्र क्षेत्रों में पाई जाती है। यह गले को सूखेपन से राहत देता है। यह हाथों, पैरों और गठिया की सूजन से आराम देता है।

राम/काली तुलसी:

यह चीन, ब्राजील, पूर्व नेपाल और साथ ही बंगाल, बिहार, चटगांव और भारत के दक्षिणी क्षेत्रों में पाई जाती है। इसका तना जामुनी और पत्ते हरे रंग के और बहुत ज्यादा सुगंधित होते है। इसमें उचित मात्रा में औषधीय गुण जैसे ऐज़ाडिरैकटिन, ऐंटीफंगल , ऐंटीबैक्टीरियल, और पाचन तंत्र को ठीक रखती है। यह गर्म क्षेत्रों में बढिया उगता है।

बाबि तुलसी:

यह पंजाब से त्रिवेंद्रम, बंगाल और बिहार में भी पाई जाती है। इसका पौधा 1-2 फीट लम्बा होता है। पत्ते 1-2 इंच लम्बे, अंडाकार और नुकीले होते है। इसके पत्तों का स्वाद लौंग की तरह और सब्जियों में स्वाद के लिए प्रयोग किया जाता है।

तुकाशमिया तुलसी:

यह भारत और ईरान के पश्चिमी क्षेत्रों में पाई जाती है। इसका प्रयोग गले की परेशानी, अम्लता और कोफ आदि के इलाज के लिए किया जाता है।

अम्रिता तुलसी:

यह पूरे भारत में पाई जाती है। इसके पत्ते गहरे जामुनी और घनी झाडी वाले होते हैं। यह कैंसर, दिल की बीमारियां, गठिया, डायबिटीज और पागलपन के इलाज के लिए प्रयोग की जाती है।

वाना तुलसी:

यह हिमालय और भारत के समतल प्रदेशों में पाई जाती है। यह किस्म का पौधा बाकी किस्मों के मुकाबले लम्बा होता है। यह सेहत के लिए लाभदायक होती है जैसे कि तनाव मुक्त करना, पाचन तंत्र और पेट के छालों के इलाज में सहायक है। इसके पत्ते तीखे और सुगंध लौंग की तरह सुगंधित होती है।

कपूर तुलसी:

यह मुख्य यू. एस. ऐ में विकसित होती है पर यह भारत में पुराने समय से उगाई जाती है। यह मुख्यतः जलवायु के तापमान में आसानी से विकास करती है। इसके सूखे पत्तों को चाय बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है।

गर्मियों मे कम लागत में अधिक मूंग पाएँ

खेत की तैयारी

रबी की कटाई के बाद दो-तीन बार हल चलाकर मिट्टी को भुरभुरा व नींदा रहित करें। पाटा लगाकर खेत को समतल करें।

उन्नत बीज का चुनाव, मात्रा व उपचार

शुद्ध, प्रमाणित, रोग मुक्त बीज का चलन करें। भंडारित बीज को साफ करके, अंकुरण परीक्षण करने के बाद बोने हेतु उपयोग में लायें।

बोनी के लिए क़िस्में

के. 851, पीडीएम 139, पूसा बैसाखी, पूसा विशाल, जवाहर मूंग 131, टीजे एम - 3 सम्राट, किसी भी एक किस्म का 12-15 किलो बीज प्रति हेक्टर के हिसाब से उपयोग करें। ग्रीष्मकालीन मूंग की बोनी का उपयुक्त समय मार्च से अप्रैल का प्रथम पखवाड़ा है।

सिंचाई

गर्मियों में फसल होने के कारण फसल को 5-6 सिंचाईयों की आवश्यकता पड़ती है। क्रांतिक अवस्था जैसे शाखा बनते समय, फलियां बनते समय तथा दाना भरते समय सिंचाई करना आवश्यक होगी।

उपज

मूंग की फलियां गुच्छों में लगती है तथा अधिकांश प्रजातियों में फल्लियां एक साथ नहीं पकती अतः 2-3 बार तोड़ाई पर पूरी फसल की फलियां तोड़ ली जाती हैं। मूंग के दानों को बैल चलाकर या डंडे से पीटकर अलग किया जाता है। पौध संरक्षण अपनाने पर 12-15 क्विंटल मूंग प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है।

खाद व उर्वरक

मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करें। यूरिया, सिंगल सुपर फास्फेट व म्यूरेट ऑफ पोटाश की 50:375:30 किग्रा प्रति हेक्टेयर के मान से उपयोग करें। 100 किग्रा डीएपी के साथ 30 किग्रा म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टर का उपयोग भी किया जा सकता है। बुवाई से पहले फफूंदनाशक से उपचारित बीज को राइजोबियम व पीएसबी कल्चर से भी उपचार करना चाहिए। 5 ग्राम कल्चर प्रति किग्रा बीज के मान से उपयोग किया जा सकता है।

बीज उपचार

कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा बीज की दूरी 10 सेमी रखें साथ ही बीज को 3-4 सेमी की गहराई पर लगाएं। बुवाई से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति किलो बीज दर से उपचार करें ताकि बीज जनित रोगों से छुटकारा मिल सके।

पौध संरक्षण

मूंग की फसल में कई बार पत्तियों पर भूरे रंग के धब्बे बनते हैं जो फैलकर पूरे पौधे को झुलसा देती है। साथ ही भभूतिया रोग का प्रकोप होता है। इस रोग में पत्तियों पर सफेद चूर्ण जमा हुआ दिखता है। दोनों ही रोगों के नियंत्रण के लिए कार्बेन्डाजिम की एक ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। मूंग की फसल पर फली बीटल, सफेद मक्खी, थ्रिप्स, फली छेदक कीटों का प्रकोप होता है। इनके नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 400 मिली 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ के मान से छिड़काव करें।

मूंग की नई किस्म होगी 55 दिन में पककर तैयार, मिलेगी उच्च गुणवत्ता वाली उपज

देश के अधिकतर राज्यों में किसान मूंग की खेती करते हैं। यह दलहनी फसलों की एक प्रमुख फसल है। राज्य में किसान कई प्रकार की दालों की बुवाई करते हैं, लेकिन खासतौर पर यूपी के किसान मूंग की खेती की तरफ ज्यादा रुख करते हैं। इसकी खेती जलवायु, तापमान, बुवाई, सिंचाई के साथ-साथ उन्नत किस्मों पर निर्भर होती है। कई बार मूंग की फसल पीला मोजैक रोग की चपेट में आ जाती है, जिससे फसल को भारी नुकसान होता है। ऐसे में जरूरी है किसान मूंग की खेती में उन्नत किस्म की बुवाई करें इसलिए किसान कल्याणी किस्म की बुवाई कर मूंग की खेती कर सकता है। इस किस्म को बोने से किसान नुकसान से बच सकता है। इसके साथ ही अधिक उत्पादन और गुणवत्ता वाली फसल प्राप्त कर सकता है।

कल्याणी किस्म की खासियत

इस किस्म को वाराणसी के कुदरत कृषि शोध संस्था द्वारा विकसित किया गया है। बता दें कि आमतौर पर मूंग की फसल 65 से 70 दिन में पक कर तैयार होती है। मगर यह किस्म महज 50 से 55 दिन में पककर तैयार हो जाती है, इसलिए इसे उन्नत किस्म की श्रेणी में रखा गया है। इसकी खासियत है कि इसमें गुच्छे लंबे और फलियां हरे रंग की होंगी। यह किस्म फसल को कई कीट और रोगों से बचाती है। खास बात है कि इस किस्म की बुवाई करने से फसल में किसी रोग के लगने का खतरा नहीं होता है।

कई राज्यों के किसान करते हैं इस किस्म की बुवाई

आपको बता दें कि मूंग की कल्याणी किस्म को उत्तरप्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, हरियाणा, बंगाल, छत्तीसगढ, पंजाब समेत कई राज्यों के लिए तैयार किया जाता है। जहां किसान इस किस्म की बुवाई करके मूंग की खेती कर रहे हैं। इस किस्म की बुवाई करके प्रति एकड खेत में 6 से 7 कुंतल उपज प्राप्त होती है। यह बीज प्रति एकड खेत में कम से कम 6 किलो ही लगता है। किस्म की बुवाई से खेती की उर्वराशक्ति बढती है और फसल की काटई के बाद हरी खाद भी प्राप्त होती है।

ऐसे करें कल्याणी किस्म की बुवाई

मूंग की खेती में इस किस्म की बुवाई करने के लिए सबसे पहले बीजशोधन करना होगा। इसके लिए बीज का राइजोबियम कल्चर से शोधन करें। इसके बाद बीज को छाया में सुखा लें और फिर खेत में बीज से बुवाई करें। बता दें कि जायद सीजन में प्रति हेक्टेयर 25 से 30 किलोग्राम बीज की बुवाई करनी चाहिए। इस दौरान कतारों की दूरी लगभग 20 से 25 सेमी होनी चाहिए। अगर खरीफ़ सीजन की बात करें, तो प्रति हेक्टेयर 15 से 20 किलो बीज की बुवाई करनी चाहिए। जिसमें कतारों की दूरी लगभग 30 और पौधों की दूरी 4 सेमी की हो।

इस वक्त किसान रबी फसलों की कटाई करने के बाद दलहनी फसलों की ओर रुख कर रहे हैं। ऐसे में मूंग की इस किस्म की बुवाई करके अच्छा मुनाफ़ा कमा सकते हैं।

बोल्ड सीन से दूर रहने वाली तमन्ना ने कैसे किया किसिंग सीन?

तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई वेब सीरीज में बोल्ड सीन से तहलका मचा रही हैं। विजय वर्मा संग रिश्ता कबूल करने के बाद दोनों के इश्क की चर्चा तो चारों तरफ हो ही रही है, वहीं लस्ट स्टोरीज 2 में दोनों की केमिस्ट्री भी सुर्खियों में बनी हुई है। लस्ट स्टोरीज 2 में तमन्ना और विजय वर्मा ने एक से बढ़कर एक बोल्ड सीन दिए हैं। इतने बोल्ड सीन होने के बावजूद विजय वर्मा और लस्ट स्टोरीज 2 की पूरी टीम इसे परिवार के साथ देखने लायक बता रही है। जहां एक तरफ यह लोग इसका प्रचार इस तरह से कर रहे हैं, वहीं इस बीच दूसरी तरफ तमन्ना ने बताया कि कैसे अपने परिवार के साथ बोल्ड सीन देखने के दौरान वह असहज महसूस करती थीं। इंटरव्यू में तमन्ना भाटिया ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि वह अक्सर अपने परिवार के साथ बोल्ड सीन देखते हुए असहज हो जाती थीं। वह बोलीं, मैं उन दर्शकों में से थी, जिन्हें अपने परिवार के साथ बैठना और इस तरह की कोई चीज देखना अजीब लगता था। मैं इधर-उधर देखना शुरू कर देती थी, मैं घबराने लगती थी या असहज हो जाती थी। इसी वजह से अपने करियर के एक बड़े हिस्से में मैंने कोई भी इंटीमेट सीन नहीं किया। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए तमन्ना बोलीं, मेरे लिए एक्टर बनने का मतलब ऐसा सफर रहा, जिससे दर्शकों की जरूरत पूरी हों। जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ी, इंटीमेट सीन मुझे किसी लांछन की तरह महसूस होते थे। हालांकि, अब मैं इसे आगे आगे जारी नहीं रखना चाहती, क्योंकि दर्शकों को अब इसकी जरूरत नहीं है। अब मेरा भ्रम भी टूट चुका है तो अब बतौर कलाकार मैं खुद को निखारने का आनंद उठा रही हूं और अलग-अलग तरह के किरदार व काम कर रही हूं। तमन्ना भाटिया ने इस सीरीज के लिए अपनी नो किसिंग पॉलिसी भी तोड़ी है। अभिनेत्री का ऐसा बोल्डनेस भरा अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। अपने बॉयफ्रेंड विजय वर्मा के साथ पहली बार स्क्रीन पर रोमांस करने वाली तमन्ना भाटिया ने पिछले इंटरव्यू में खुलासा किया था कि विजय वर्मा ने उन्हें सीन शूट करते वक्त बहुत ही सजह महसूस कराया। मैं उनके साथ बहुत ही कंफर्टेबल थीं। लस्ट स्टोरीज 2 के बारे में बात करें तो यह इसी नाम की 2018 में रिलीज हुई सीरीज का दूसरा पार्ट है, जिसमें राधिका आप्टे, भूमि पेडनेकर, कियारा आडवाणी, विक्की कौशल, मनीषा कोइराला, जयदीप अहलावत, नील भूपालम और संजय कपूर जैसे अन्य कलाकार थे। इस बार तमन्ना भाटिया-विजय वर्मा वाले सेगमेंट का निर्देशन सुजॉय घोष ने किया है। इस सीरीज में इन दोनों के अलावा, अंगद बेदी, मृणाल ठाकुर, नीना गुप्ता, अमृता सुभाष, तिलोत्तमा शोम, काजोल और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार हैं।

अक्षय कुमार ने हाउसफुल 5 की घोषणा की

अक्षय कुमार ने हाउसफुल 5 की घोषणा के साथ ही 2024 का दिवाली समारोह हंसी और पागलपन से चार गुना अधिक होने वाला है। हाउसफुल अपनी अगली किस्त के साथ आने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिससे यह भारतीय सिनेमा में 5 किस्तों वाली पहली फ्रेंचाइजी फिल्म बन जाएगी।

अक्षय कुमार ने ट्विटर पर एक पोस्टर के साथ यह खबर साझा की, जिसने प्रशंसकों के बीच प्रत्याशा की लहर पैदा कर दी। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित, हाउसफुल 5 मौज-मस्ती, मनोरंजन और कॉमेडी की एक रोलर-कोस्टर सवारी के वादे के साथ 2024 में आपकी दिवाली को जगमगाने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो आपको झकझोर कर रख देगी। अक्षय कुमार और रितेश देशमुख के साथ इसमें कई स्टार कलाकार भी शामिल होंगे। साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है और यह दिवाली 2024 के दौरान रिलीज़ होगी। काम के मोर्चे पर अक्षय कुमार की कुछ रोमांचक फिल्में लाइन में हैं। अभिनेता बड़े मियां छोटे मियां में सोनाक्षी सिन्हा और टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगे। अक्षय के पास ओह माई गॉड की दूसरी किस्त भी है। ऐसा कहने के बाद, वह सोरारई पोटरू के हिंदी रीमेक में राधिका मदान के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे। उपरोक्त फिल्मों के अलावा, अभिनेता हेरा फेरी 3 के लिए सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ फिर से जुड़े हैं। वह वेदत मराठे वीर दौडले सात के साथ मराठी फिल्म उद्योग में भी अपनी शुरुआत करेंगे।

आदित्य रॉय कपूर संग डेटिंग की अफवाहों के बीच अनन्या ने शादी पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे अपनी फिल्मों के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहती हैं। अनन्या का नाम आए दिन अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के साथ जोड़ा जाता है। दोनों अक्सर मीडिया में स्पॉट होते रहते हैं। अब डेटिंग की अफवाहों के बीच अनन्या पांडे ने हाल ही में, एक इंटरव्यू में अपनी शादी की योजना के बारे में खुलासा किया। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी डाइट का भी खुलासा किया और साइबर बुलिंग के बारे में भी बात की। अपने डाइट प्लान के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें वर्कआउट करना पसंद नहीं है, इसलिए वह कम खाती हैं। हालांकि, अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स के लिए चिंता जताते हुए अभिनेत्री ने तुरंत कहा, 'कम खाना भी अच्छा नहीं है। इसलिए किसी भी भोजन को पूरे दिल से खाना चाहिए और वह वर्कआउट करना चाहिए जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है।' आगे इंटरव्यू में अनन्या ने साइबर बुलिंग के बारे में खुलकर बात की और कहा कि सभी को इस अपराध के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए क्योंकि समाज में रह रहे ज्यादातर लोग साइबर बुलिंग के बारे में खुलकर बात नहीं करते हैं, इसलिए अनन्या ने इस गंभीर अपराध के खिलाफ बोलने का फैसला किया। आगे शादी के बारे में पूछे जाने पर अभिनेत्री ने कहा कि वह शादी के लिए अभी बहुत छोटी हैं। अनन्या ने यह भी कहा कि फिलहाल उनकी शादी की कोई योजना नहीं है। वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री फिलहाल अपने आगामी प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए दिल्ली में हैं। अनन्या 'ड्रीम गर्ल 2' में आयुष्मान खुराना के साथ नजर आएंगी ।

BOLLYWOOD NEWS FLASH

छुपी रुस्तम निकलीं दीपिका

अभिनय और बैडमिंटन के साथ इस गुण में भी हैं माहिर

दीपिका पादुकोण अपनी बेहतरीन एक्टिंग और हाजिर जवाबी के लिए मशहूर हैं। वह अपनी बातों से सभी का मुंह बंद कर देती हैं। अभिनेत्री शानदार अदाकारा तो हैं ही साथ ही वह अपनी निजी जिंदगी में काफी मजाकिया भी हैं। रणवीर और दीपिका जब दोनों साथ हों तो उनको अक्सर मस्ती के मूड में देखा जा सकता है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान दीपिका ने अपने अंदर छिपे एक टैलेंट के बारे में खुलासा किया है। दीपिका पादुकोण को आखिरी बार साल की सबसे बड़ी हिट फिल्म पठान में देखा गया था। हाल ही में उन्होंने अपने बारे में एक अजीब फैक्ट का खुलासा किया, लेकिन यह दुनिया के देखने के लिए नहीं है। एक बातचीत में दीपिका ने कहा कि वह एक अच्छी मिमिक हैं, लेकिन वह अपने इस टैलेंट को लोगों के सामने प्रदर्शित नहीं कर सकतीं। दीपिका ने कहा कि केवल उनके पति रणवीर सिंह और बहन अनीशा पदुकोण ही हैं जिन्हें उनकी मिमिक्री परफॉर्मेंस देखने की अनुमति है। उन्होंने कहा, मेरे पति कहते हैं कि मैं कोठरी में छिपी हुई महान नकलची हूं, जिसे अभी तक खोजा नहीं जा सका है, जो कि खोजे जाने का इंतजार कर रही है। एक्ट्रेस ने कहा कि जब रणवीर उनसे लोगों के सामने मिमिक्री करने के लिए कहते हैं, तो मैं नहीं करती हूं। किसी तरह जब वह मुझे किसी खास मौके पर रखता है और लोगों के सामने मुझसे किसी की नकल करने के लिए कहता है, तो ऐसा नहीं होता है। लेकिन अपनी बहन और अपने पति के सामने मैं एक शानदार नकलची हूं। दीपिका पादुकोण के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में पठान में शाहरुख खान के साथ नजर आई थीं। अब वह ऋतिक रोशन के साथ फाइटर में भी नजर आने वाली हैं, जिसकी शूटिंग चल

ऑस्कर की शॉर्ट फिल्म कैटेगरी में 'गिद्ध' की एंट्री!

संजय मिश्रा हिंदी सिनेमा के बहुत ही नेचुरल अभिनेता हैं। वह गंभीर किरदार और कॉमिक रोल दोनों के लिए जाने जाते हैं। संजय मिश्रा बॉलीवुड के उन एक्टर्स में शुमार हैं, जो हर किरदार में अपनी एक्टिंग से जान डाल देते हैं। करियर की शुरुआत में कठिन स्ट्रगल करने के बाद भी संजय मिश्रा ने हिम्मत नहीं हारी। आज उनकी गिनती बॉलीवुड के प्रतिभाशाली कलाकारों में होती है। हाल ही में संजय मिश्रा और उनके फैंस के लिए बड़ी खबर आ रही है कि अभिनेता की शॉर्ट फिल्म गिद्ध ने एशिया इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन जीतने के बाद अब ऑस्कर के लिए क्वालिफाई कर लिया है। संजय मिश्रा को भी इस फेस्टिवल में बेस्ट एक्टर के खिताब से नवाजा गया है। वहीं इस खबर से संजय मिश्रा के फैंस और अभिनेता खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। बता दें कि संजय मिश्रा की यह फिल्म ऑफशियली ऑस्कर की शॉर्ट फिल्म कैटेगरी के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। शॉर्ट हिंदी फिल्म गिद्ध समाज को आईना दिखाती है और निष्पक्ष रूप से कई कठोर वास्तविकताओं के बारे में बात करती है जिनसे ज्यादातर लोग मुंह फेर लेते हैं। ग्लोबली ऑडियंस के साथ तालमेल बिठाते हुए गिद्ध को पहले यूएसए फिल्म फेस्टिवल 2023 की जूरी द्वारा फाइनलिस्ट के रूप में भी चुना गया था।

ग्रैमी 2024 की तारीख का हुआ ऐलान!

संगीत की दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अवॉर्ड्स में से एक ग्रैमी अवॉर्ड्स का इंतजार म्यूजिक की दुनिया से जुड़ा हर कलाकार करता है। यह दुनियाभर में प्रसिद्ध ऐसा अवॉर्ड फंक्शन है, जिसमें दुनिया के कोने-कोने में फैले म्यूजिशियंस को सम्मानित किया जाता है। जहां इस साल ग्रैमी अवॉर्ड्स में बियॉन्से का जलवा रहा था, वहीं 2024 के लिए इस अवॉर्ड फंक्शन के आयोजन की तारीखों का एलान कर दिया गया है। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए कुछ नए नियमों की भी घोषणा की गई है। 66वें ग्रैमी अवॉर्ड्स, फरवरी के पहले रविवार को लॉस एंजिल्स में आयोजित किए जाएंगे। रिकॉर्डिंग अकादमी ने संगीत में सर्वश्रेष्ठ लोगों को सम्मानित करने महत्वपूर्ण तारीखों की घोषणा की। साल 2024 में यह अवॉर्ड्स 4 फरवरी को रात 8 बजे से शुरू क्रिप्टो डॉट कॉम एरिना में आयोजित किया जाएगा। अवॉर्ड्स को पैरामाउंट+ पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। तारीख और समय का एलान करने के साथ ही यह भी एलान किया गया कि इस बार समारोह में कई नए बदलाव होंगे। इस महीने की शुरुआत में, रिकॉर्डिंग अकादमी ने घोषणा की थी कि साल 2024 में ग्रैमी में तीन नई कैटेगरी जोड़ी जाएंगी। ये कैटेगरी बेस्ट पॉप डांस रिकॉर्डिंग, बेस्ट अफरिकन म्यूजिक परफॉर्मेंस और बेस्ट अल्टरनेटिव जैज एल्बम होंगी। उन्होंने कुछ नए मतदान नियम भी साझा किए, जिनमें एआई तकनीक से संबंधित नए प्रोटोकॉल भी शामिल हैं। इसके नामांकन जीतने के लिए, एक संगीत निर्माता को अब कम से कम 20व काम का हिसाब देना होगा। यह 2021 में लागू किए गए नियम का उल्टा है। 2021 में आए नियम में एल्बम पर काम करने वाले किसी भी व्यक्ति को नामांकन प्राप्त करने की अनुमति दी गई थी। ग्रैमी अवॉर्ड्स 2024 के नामांकन की घोषणा 10 नवंबर को की जाएगी। इस साल भारत की ओर से रिकी केज ने तीसरी बार यह अवॉर्ड अपने नाम किया था। इसके साथ ही दुनियाभर के कई सेलेब्स हैं जिनको इस साल यह सम्मान मिला है। 65वें ग्रैमी अवॉर्ड्स की मेजबानी ट्रेवर नूह द्वारा की गई थी। ग्रैमी अवॉर्ड को ग्रामोफोन अवॉर्ड के नाम

एक नजर

इगा स्वियातेक तबीयत खराब होने के कारण बैड होमबर्ग ओपन से हटी

बैड होमबर्ग। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज इगा स्वियातेक ने विम्बलडन शुरु होने से तीन दिन पहले शुक्रवार को यहां तबियत खराब होने के कारण बैड होमबर्ग ओपन से हटने का फैसला किया। स्वियातेक को शुक्रवार को यहां अपने करियर का पहला ग्रासकोर्ट सेमीफाइनल खेलना था जिससे उनकी प्रतिद्वंद्वी लुसिया ब्रोंजेटी को शनिवार को होने वाले फाइनल के लिए वॉकओवर मिल गया। फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन चैम्पियन स्वियातेक ने अपने इंस्टाग्राम पर एक बयान में लिखा, माफ कीजिए, मुझे आज अपने मैच से हटना पड़ा। रात को बुखार और संभवतः फूड प्वाइजनिंग के कारण मैं पूरी रात सो नहीं सकी। उम्मीद करती हूं कि जल्द वापसी करूंगी। स्वियातेक को विम्बलडन ड्रा के अनुसार पहले दौर में झू लिन से भिड़ना है।

पोलैंड ने रूस के हॉकी खिलाड़ी को जासूसी के संदेह में हिरासत में लिया

वारसॉ (पोलैंड)। पोलैंड ने शुक्रवार को रूस के एक हॉकी खिलाड़ी को जासूसी करने के संदेह में हिरासत में लिया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। यह खिलाड़ी पोलैंड की शीर्ष हॉकी लीग में खेलता है। पोलैंड के न्याय मंत्री बिगन्यू जियोब्रो ने कहा, रूस के जासूस एक एक करके पकड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा, एक एथलीट के भेष में काम कर रहे एक जासूस को पकड़ा गया है। जियोब्रो ने कहा कि यह संदिग्ध एथलीट पहले लीग क्लब के लिए खेल चुका है और हिरासत में लिए गए जासूसी नेटवर्क का 14वां सदस्य था।

ओडिशा एफसी ने फ्लॉयड पिंटो को सहायक कोच नियुक्त किया

भुवनेश्वर। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फ्रेंचाइजी ओडिशा एफसी (ओएफसी ने शुक्रवार को फ्लॉयड पिंटो को दो साल के अनुबंध पर सीनियर पुरुष टीम का सहायक कोच नियुक्त किया। यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक टीम के पास इस अनुबंध को एक साल बढ़ाने का विकल्प भी है। पिंटो की कोचिंग यात्रा केंकरे एफसी के साथ शुरू हुई जिसके बाद उन्हें भारत अंडर-19 का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। उनकी देखरेख में टीम सैफ अंडर-19 चैम्पियनशिप की विजेता बनी थी। राष्ट्रीय टीम के साथ खुद को साबित करने के बाद उन्होंने विभिन्न क्लबों के साथ अपना कोचिंग करियर जारी रखा। उन्हें राउंडग्लास पंजाब एफसी, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और इंडियन एरोज जैसी टीमों का मार्गदर्शन करने का अनुभव है। पिंटो की देखरेख में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की टीम सुपर कप के सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही थी।

सैफ सेमीफाइनल: छेत्री के अलावा केवल उदांता और महेश ही टीम के लिए गोल करने में सफल रहे हैं

लेबनान के खिलाफ भारत को छेत्री का करिश्माई प्रदर्शन जारी रहने की उम्मीद

नई दिल्ली

भारतीय टीम सैफ फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में शनिवार को जब लेबनान की मजबूत टीम के खिलाफ मैदान में उतरेगी जो उसे अपने क रिश्माई कप्तान से एक और दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गत चैंपियन भारत ने ग्रुप ए से कुवैत के बाद दूसरे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि लेबनान ने ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए अंतिम-चार चरण का टिकट पक्का किया। छेत्री शानदार लय में है और वह तीन मैचों में पांच गोल के साथ टूर्नामेंट की तालिका में शीर्ष पर है। इसमें पाकिस्तान के खिलाफ गोल की हैट्रिक भी शामिल है। कुवैत के खिलाफ आखिरी लीग मुकाबले में छेत्री ने शानदार तरीके से गोल कर के यह साबित किया कि वह अब भी अपने खेल के शीर्ष पर है। लेबनान के खिलाफ चुनौती से पार बनाने के लिए छेत्री को एक बार फिर से अपना दमखम दिखाना होगा। सहल अब्दुल समद, महेश सिंह और उदांता सिंह जैसे खिलाड़ियों को अपने कप्तान का साथ देने के लिए आगे आना होगा। इन सभी ने टूर्नामेंट में अच्छे से अपनी भूमिका निभाई है लेकिन छेत्री के अलावा केवल उदांता और महेश ही टीम के लिए गोल करने में सफल रहे है। लेबनान जैसी मजबूत टीम के खिलाफ भारत के लिए छेत्री पर निर्भरता घातक हो सकती है। टीम को रक्षापंक्ति से

सेमीफाइनल मैच:

कुवैत बनाम बांग्लादेश :
शनिवार शाम 03:30 बजे
भारत बनाम लेबनान :
शनिवार शाम 07:30 बजे

अपने दमदार खेल को जारी रखने की उम्मीद होगी। टीम ने पिछले नौ मैचों में सिर्फ एक गोल गंवाया है और वह भी कुवैत के खिलाफ आत्मघाती गोल था। भारत और लेबनान ने अब तक आठ बार एक-दूसरे का सामना किया है। दोनों टीमों के बीच जीत-हार के रिकॉर्ड में लेबनान 3-2 से आगे है। तीन अन्य मुकाबले बराबरी पर छूटे है। इस बार भारतीय टीम का मनोबल हालांकि बढ़ा हुआ होगा। लेबनान के खिलाफ उसके दो हालिया मुकाबलों में सकारात्मक परिणाम मिले। भारत ने इस महीने की शुरुआत में ओडिशा में इंटरकांटिनेंटल कप के लीग मैच में लेबनान को गोलरहित ड्रॉ पर रोका और टूर्नामेंट के फाइनल में उसे 2-0 से हराया। फुटबॉल की प्रतिस्पर्धी दुनिया में पिछले मैचों के रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखते। भारत इस मध्य एशियाई प्रतिद्वंद्वी को हराने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। लेबनान ने ग्रुप चरण में भूटान, मालदीव और बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। वहीं भारत को पाकिस्तान के खिलाफ अपेक्षाकृत आसान मुकाबले के बाद नेपाल और कुवैत से कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा।भारतीय टीम को एक बार फिर से मुख्य कोच इगोर स्टिमक की सेवाएं नहीं मिलेंगी। कुवैत के खिलाफ मैच के दौरान क्रोएशिया के इस पूर्व खिलाड़ी को टूर्नामेंट के दौरान दूसरी बार रेड कार्ड दिखाया गया था।

पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण लियोन दूसरे टेस्ट मैच से बाहर

लंदन

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन दाईं पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण लॉर्ड्स मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला के दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए। वह गुरुवार को दूसरे दिन के खेल के दौरान चाय के सत्र के बाद गेंद के पीछे भागते हुए चोटिल हो गए थे। उन्होंने इससे पहले जैक क्राउली को आउट कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को तीसरे दिन के खेल के दौरान एक बयान जारी कर बताया कि लियोन को चोट थोड़ी गंभीर है। इस बयान में हालांकि यह नहीं बताया गया कि वह कितने समय तक बाहर रहेंगे। बयान के मुताबिक, इस मैच के समाप्त होने के बाद उन्हें रिहैबिलिटेशन की जरूरत होगी। श्रृंखला के बचे हुए मैचों में उनकी उपलब्धता के बारे में फैसला इस मुकाबले के बाद होगा। लियोन शुक्रवार को बैसाखी के सहारे लॉर्ड्स पहुंचे और दिन का खेल शुरू होने से पहले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी उन्हें सांत्वना दी। लियोन के चोटिल होने से इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के पास सिर्फ तीन विशेषज्ञ गेंदबाज बच गए हैं। टीम में हरफनमौला कैमरून ग्रीन भी है जो मध्यम तेज गति से गेंदबाजी करते हैं। टीम के पास ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन जैसे कामचलाऊ स्पिनर का विकल्प है। लियोन अगर अगले टेस्ट मैच से पहले चोट से नहीं उबरे में टीम में 22 साल के टॉड मरफी को मौका मिल सकती है। उन्होंने भारत के खिलाफ पदार्पण श्रृंखला में 14 विकेट लिए थे। मरफी ने इस दौरान विराट कोहली को चार बार आउट किया था।

राइफल

पूर्णकालिक विदेशी विशेषज्ञ को लेकर पसोपेश में एनआएआई

नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के साथ अनुबंध संबंधी मुद्दों पर ट्रैप और स्कीट कोच रसेल मार्क और उनकी पत्नी लॉरिन के जाने के बाद खाली हुए पदों के लिए पूर्णकालिक विदेशी कोच की नियुक्ति को लेकर असमंजस बरकरार है। ऑस्ट्रेलिया के इन दोनों शॉटगन कोच ने भारतीय टीम का साथ ऐसे समय में छोड़ा जब विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल और एशियाई चैंपियनशिप जैसे शीर्ष स्तर की तीन प्रतियोगिताएं एक के बाद एक होने वाली हैं। माना जा रहा है कि मार्क और लॉरेन एनआरएआई के हाई परफार्मेंस निदेशक (एचपीडी) पियरे ब्यूचैम्प के प्रशिक्षण के तरीके से खुश नहीं थे। विश्व और एशियाई चैंपियनशिप में पिस्टल, राइफल और शॉटगन में पेरिस ओलंपिक के लिए 72 क्वालिफिकेशन हासिल किए जा सकते है। इन दोनों टूर्नामेंटों से काफी हद तक ओलंपिक के लिए भारतीय टीम की रूपरेखा तय होगी। कोच के नामों की घोषणा अगले एक-दो दिनों में हो सकती है। यह विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों की टीम की घोषणा के साथ भी हो सकता है। एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह ने पीटीआई से कहा, निश्चित रूप से हम कुछ विशेषज्ञों की तलाश कर रहे हैं और बहुत जल्द हम नामों को अंतिम रूप देंगे। हम इस प्रक्रिया में हैं। मैं संभावित विशेषज्ञों और कोच के नामों का खुलासा नहीं कर सकता। एनआरएआई द्वारा प्राप्त आवेदनों की संख्या और महासंघ द्वारा कोचों के चयन के लिए निर्धारित मानदंडों के बारे में पूछे जाने पर, सिंह ने कहा कि वह इस मामले में सर्वश्रेष्ठ की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी टीम को सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए सर्वश्रेष्ठ की तलाश कर रहे है। ऐसा भी हो सकता है कि हम थोड़े समय के लिए किसी को नियुक्त करे। मेरे बच्चे (निशानेबाज) अपनी तकनीक पर काम कर रहे हैं। वे अपने आप विकसित हो रहे हैं इसलिए हमें किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है जो वे जो उनकी प्रतिभा को और आगे बढ़ा सके।

हाफिज हाशिम को कोच बनाना चाहती हैं सिंधू

नई दिल्ली

भारतीय बैडमिंटन सुपरस्टार पीवी सिंधू अगले साल पेरिस ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने की मुहिम के अंतर्गत पूर्व आल इंग्लैंड ओपन चैम्पियन मोहम्मद हाफिज हाशिम की सेवाएं लेने की कोशिश कर रही हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को लिखा है जिसमें उन्होंने खेल मंत्रालय की टॉप्स योजना के अंतर्गत मलेशिया के हाफिज हाशिम से ट्रेनिंग लेने के लिए मंजूरी मांगी है। पूर्व राष्ट्रीय कोच विमल कुमार ने पीटीआई से कहा, मुझे लगता है कि साइ उनके प्रस्ताव को मंजूरी दे देगा। वह भारत की एलीट खिलाड़ी हैं और हो सकता है कि पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र महिला एकल बैडमिंटन खिलाड़ी हों। मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) की अगली बैठक में यह प्रस्ताव आ सकता है जिसमें एमओसी के सदस्य भारत के ओलंपिक कार्यक्रम और टॉप्स एथलीट के प्रस्तावों के अहम एजेंडे पर चर्चा कर सकते हैं। विमल ने कहा, एक कोच इतने सारे शीर्ष खिलाड़ियों को नहीं देख सकता, उन्हें अकेले कोच चाहिए होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विक्टर एक्सेलसेन का अलग कोच है और अब सिंधू भी अलग कोच की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा, वह दो से तीन साल तक पार्क ताए सांग के साथ थीं और अब हाफिज। मैं उनकी कोचिंग के बारे में इतना नहीं जानता लेकिन वह 20 साल पहले काफी अच्छे खिलाड़ी रहे हैं। सिंधू (27 वर्ष) टखने के स्ट्रेस फ्रेक्चर से पांच महीने बाद वापसी के दौरान इस सत्र फॉर्म में नहीं दिखी हैं।

वीनस विलियम्स 24वें विंबलडन में स्वितोलिना के खिलाफ करेंगी शुरुआत

नई दिल्ली

पांच बार की विम्बलडन चैम्पियन वीनस विलियम्स 24वीं बार यहां टेनिस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में खेलने उतरेंगी जिसमें वह अपना अभियान एलिना स्वितोलिना के खिलाफ शुरू करेंगी जो 2019 के सेमीफाइनल में पहुंची थी। शुक्रवार को निकाले गए विम्बलडन ड्रा में दो बार यहां खिताब जीत चुके एंडी मरे पहले दौर के मैच में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाले रेयान पेनिस्टन से भिड़ेंगे जो ब्रिटेन के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला होगा। वीनस (43 वर्ष) ने इस सत्र में केवल पांच मैच खेले हैं और अप्रैल में टूर में वापसी करने वाली स्वितोलिना दोनों को आल इंग्लैंड क्लब ने वाइल्ड कार्ड दिया है। इस मैच की विजेता खिलाड़ी दूसरे दौर में 28वीं वरीय एलिसे मर्टन्स और इसके बाद सातवें नंबर की अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ से भिड़ सकती हैं। गॉफ ने 2019 में विम्बलडन में वीनस को हराकर अपना ग्रैंडस्लैम करियर शुरू किया था, तब वह महज 15 वर्ष की थी। वीनस 2000, 2001, 2005, 2007 और 2008 की विम्बलडन विजेता हैं और दो बार अमेरिकी ओपन ग्रैंडस्लैम जीत चुकी हैं।

महिला हॉकी

एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने के लिए पहले से ज्यादा प्रतिबद्धः सविता

नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता कप्तान सविता ने कहा कि 2018 एशियाई खेलों के फाइनल में निराशाजनक हार के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम आगामी खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के लिए पहले से कहीं अधिक दृढ़ संकल्प है। एशियाई खेलों का आयोजन आगामी सितंबर अक्टूबर में चीन के हांगझोऊ में होगा। सविता ने हॉकी इंडिया द्वारा शुरू की गई पॉडकास्ट श्रृंखला हॉकी ते चर्चा में कहा, पिछले एशियाई खेलों में हम स्वर्ण पदक जीतने के करीब पहुंच गए थे लेकिन फाइनल में जापान से केवल एक गोल (1-2) से हारना दिल तोड़ने वाला था। इस बार हमें लगता है कि हम पहले से कहीं अधिक दृढ़ हैं। हम अपने अभियान को शीर्ष स्थान पर खत्म करेंगे। सविता ने कहा, टीम का हर खिलाड़ी जानता है कि पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने के लिए हमें स्वर्ण पदक जीतना होगा। यह हमारे लिए सबसे अच्छा मौका है। हम अगर ऐसा करने में सफल रहे तो एशियाई खेलों के बाद टीम एफआईएच प्रो लीग और फिर पेरिस 2024 पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगी। तोक्यो ओलंपिक के बाद कप्तानी संभालने वाली सविता ने इस बात पर जोर दिया कि वह गोलकीपिंग और नेतृत्व की दोहरी भूमिका का लुत्फ उठा रही है। हाल ही में साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (महिला) के लिए दिए जाने वाले प्रतिष्ठित हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार जीतने वाली सविता ने कहा, जब आप टीम का नेतृत्व कर रहे हों तो एक अतिरिक्त जिम्मेदारी होती है। जब मैं कप्तान नहीं था, तब भी मुझे पता था कि गोलकीपर के तौर पर मुझे नेतृत्व कर्तव्यों को साझा करना होगा और टीम की मदद करनी होगी। उन्होंने कहा, टीम के एक अनुभवी सदस्य के रूप में यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं युवा और कम अनुभवी खिलाड़ियों के साथ अपना अनुभव साझा करके उनकी मदद करूं।

हॉकी टीम

- सविता ने कहा, टीम का हर खिलाड़ी जानता है कि पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने के लिए हमें स्वर्ण पदक जीतना होगा। यह हमारे लिए सबसे अच्छा मौका है।
- सविता ने हॉकी इंडिया द्वारा शुरू की गई पॉडकास्ट श्रृंखला हॉकी ते चर्चा में कहा, पिछले एशियाई खेलों में हम स्वर्ण पदक जीतने के करीब पहुंच गए थे।

निशानेबाजी मनु का प्रदर्शन भी राणा से अलग होने के बाद गिरता गया।

जसपाल राणा फिर होंगे मनु भाकर के निजी कोच

नई दिल्ली

महान पिस्टल निशानेबाज और कई बार के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जसपाल राणा ने शुक्रवार को पुष्टि की कि वह भारत की सर्वश्रेष्ठ निशानेबाजों में शुमार मनु भाकर को फिर से कोचिंग देंगे। दो साल पहले दोनों के बीच मतभेद होने से अलग होने का विवाद कई दिनों तक सुर्खियों में रहा था। विश्व कप में कई स्वर्ण पदक जीत चुकी मनु ने तोक्यो ओलंपिक से पहले 2021 में मतभेदों के कारण उनसे कोचिंग नहीं लेने का फैसला किया था। विश्व चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन मनु के तोक्यो में निराशाजनक प्रदर्शन के पीछे का कारण राणा से अलग होना माना जा रहा था जिसमें उनकी पिस्टल भी खराब हो गई थी। मनु का प्रदर्शन भी राणा से अलग होने के बाद गिरता गया। राणा ने पीटीआई से कहा, हां मैं मनु भाकर को ट्रेनिंग दूंगा। यह सच है। यह मेरे और मनु के बीच है, मुझे इसके लिए किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है। मैं सिर्फ मनु को कोचिंग दूंगा, पूरी पिस्टल टीम को नहीं। मैं उसका निजी कोच रहूंगा। उन्होंने कहा, यह लंबी प्रतिबद्धता होगी। मुझे उसके अंदर के चैम्पियन को बाहर लाना होगा। मुन भाकर जैसे निशानेबाज सामान्य तौर पर तकनीकी रूप से अच्छे होते हैं इसलिए मुझे उसके खेल के मानसिक पहलू पर ध्यान लगाना होगा और साथ ही तकनीकी पहलू को भी देखना होगा। फिर से मनु को कोचिंग देने की बात कैसे उठी तो उन्होंने कहा कि शुरूआत इस युवा निशानेबाज की ओर से ही हुई। तोक्यो ओलंपिक खेलों से पहले राणा जूनियर राष्ट्रीय कोच थे, उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि श्रेय उसे (मनु को) जाता है। यह मेरे और मनु के बीच की बात है, फिर से कोच बनने पर फैसला करने के लिए कोई और शामिल नहीं है। उन्होंने कहा, मैंने उसे स्पष्ट रूप से बता दिया है कि जो हो चुका है, वो चुका है और मुझे इसकी परवाह नहीं है। लेकिन अब आपसी समझ होनी चाहिए और उस अलगाव की बात नहीं होगी। हम सिर्फ निशानेबाजी के बारे में पेशेवर तरीके से बात करेंगे। राणा ने कहा कि उन्होंने मनु से एशियाई खेलों और विश्व चैम्पियनशिप में पदक दिलाने की गारंटी नहीं दी है जो 2024 पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले टूर्नामेंट हैं। उन्होंने कहा, मैंने उसे हांगजोऊ एशियाई खेलों और विश्व चैम्पियनशिप के लिए ट्रेनिंग देना शुरु कर दिया है। मैंने उसे किसी पदक की प्रतिबद्धता नहीं दी है। तोक्यो ओलंपिक के दौरान रौनक पंडित पिस्टल कोच के तौर पर गए थे और मनु ने उनसे सलाह ली थी। तो क्या मनु उनसे (पंडित) से सलाह लेंगी तो राणा ने कहा, मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता।

निशानेबाज

मुन भाकर जैसे निशानेबाज सामान्य तौर पर तकनीकी रूप से अच्छे होते हैं इसलिए मुझे उसके खेल के मानसिक पहलू पर ध्यान लगाना होगा और साथ ही तकनीकी पहलू को भी देखना होगा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए ओमान पर जुर्माना लगा

बुलावायो

जिम्बाब्वे के खिलाफ आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) विश्व कप क्वालीफायर मैच में धीमी ओवर गति के लिए ओमान पर मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी मैच रेफरी के अंतरराष्ट्रीय पैनल के मोहम्मद जावेद ने तय समय में ओमान को दो ओवर कम गेंदबाजी करने के कारण यह सजा सुनाई। न्यूनतम ओवर गति से जुड़े अपराधों से संबंधित आईसीसी की खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ की आचार संहिता के नियम 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनकी टीम के निर्धारित समय में प्रत्एक ओवर कम फेंकने पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। कप्तान जीशान मकसूद ने इस प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं हुई। इस बीच ओमान के खिलाड़ी कलीमुल्लाह को मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए फटकार लगाई गई है। कलीमुल्लाह को खिलाड़ियों और सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह ऐसी भाषा, कार्यों या इशारों का उपयोग करने से संबंधित है जो अपमानजनक हैं या अंतरराष्ट्रीय मैच में बल्लेबाज के आउट होने पर उसकी आक्रामक प्रतिक्रिया को भड़का सकती हो। इसके अलावा कलीमुल्लाह के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमैरिट अंक जोड़ा गया है। यह 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध है।

आयरलैण्ड पहुँचे विधानसभा अध्यक्ष- टिपरेरी में हाईएस्ट सिविलिएशन अवार्ड से सम्मानित हुए

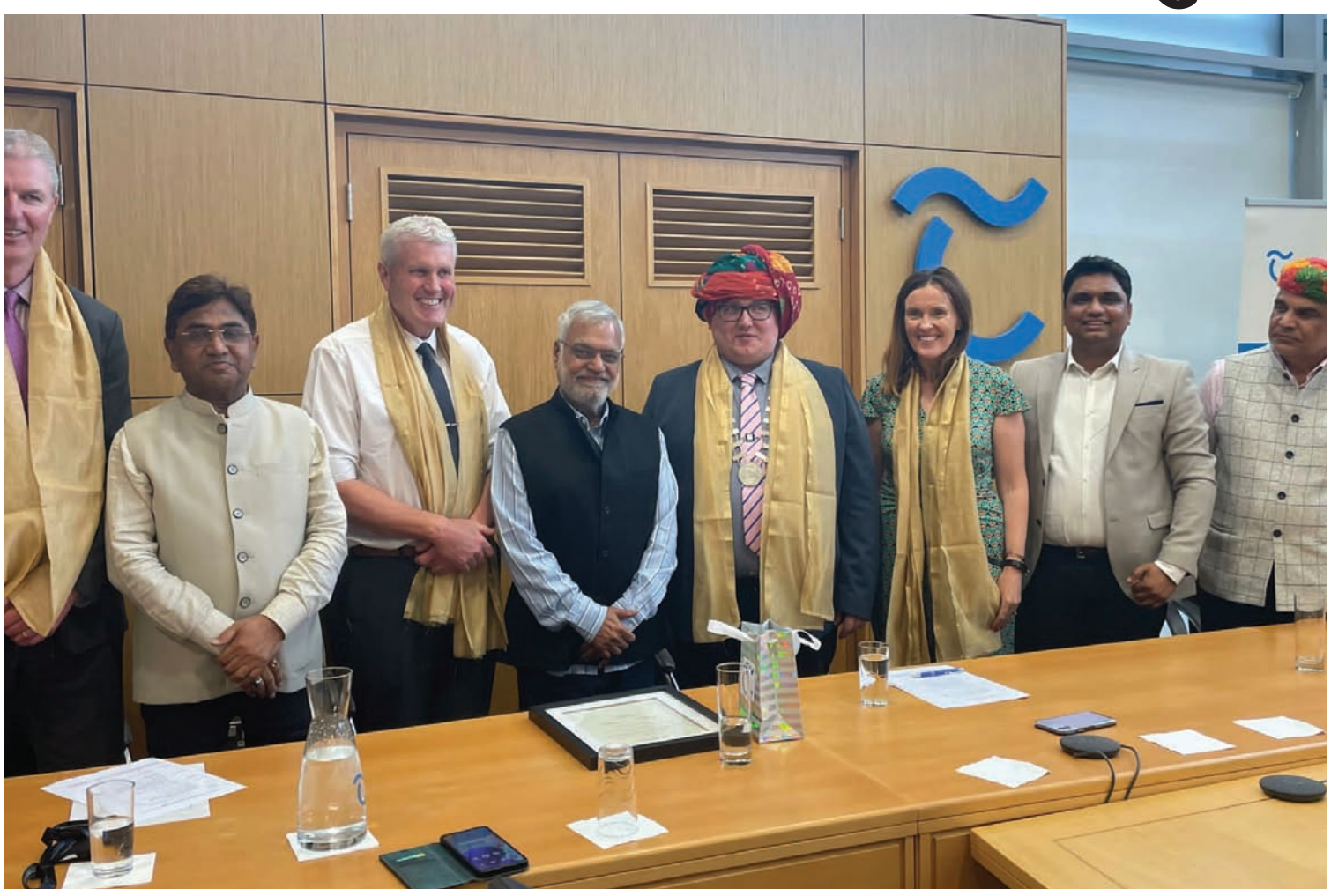

जयपुर

तीन देशों यू.के., स्कॉटलैण्ड और आयरलैण्ड की अध्ययन यात्रा के दौरान शुक्रवार को राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी आयरलैण्ड पहुँचे। आयरलैण्ड के टिपरेरी में आयोजित एक समारोह में टिपरेरी कन्ट्री काउन्सिल के चेयरमैन श्री क्लिट डेकलन बर्गीज ने विधान सभा अध्यक्ष डॉ. जोशी को हाईएस्ट सिविलिएन अवार्ड से सम्मानित किया।

टिपरेरी कन्ट्री काउन्सिल में हुई एक विशेष बैठक में विधान सभा अध्यक्ष डॉ. जोशी ने चेयरपर्सन श्री बर्गीज से आयरलैण्ड और भारत में राजकीय संस्थाओं की श्री टीयर व्यवस्था पर विचार-विमर्श किया। राजकीय व स्वायत्त शासी संस्थाओं के प्रशासनिक ढांचे में वित्तीय सहित विभिन्न संगठनात्मक पहलुओं पर भी डॉ. जोशी और श्री बर्गीज ने विस्तार से चर्चा की।

बैठक में विधान सभा के प्रमुख सचिव श्री महावीर प्रसाद शर्मा, टिपरेरी काउन्सिल के डिस्ट्रिक्ट डायरेक्टर श्री देव कारेल, श्री जॉन क्रॉसी, कम्युनिटी एडमिस्ट्रेटिव ऑफिसर श्री मार्गो हाईस सहित काउन्सिल के सदस्यगण मौजूद थे।

आयरलैण्ड के टिपरेरी काउन्सिल में आयोजित एक सम्मान समारोह में काउन्सिल के चेयरमैन ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी को हाईएस्ट सिविलिएन अवार्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर काउन्सिल के सदस्य व अधिकारीगण सहित वहां के प्रवासी राजस्थानी संघ के श्री कुलदीप जोशी, श्री बाबू लाल यादव, श्री रामकिशन सुआलका और श्री नरेन्द्र शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिकगण मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

यूनाइटेड इण्डिया इंष्योरेंस कम्पनी मनाया बीमा जागरूकता दिवस

न्यूज ऑफ दि डे

टोंक। राष्ट्रीय बीमा जागरूकता दिवस के अवसर पर यूनाइटेड इण्डिया इंष्योरेंस कम्पनी षाखा टोंक द्वारा दिनांक 26 जून को ग्राम पंचायत सोहेला पर एक कार्यक्रम आयोजित का आम नागरिको एवं पंचायत समिति के सदस्यों को बीमा के प्रति जागरूक करते हुए बीमे के महत्व एवं अस क्षैत्र में दिन प्रतिदिन हो रही प्रगति एवं प्राकृतिक आपदा, दुघर्टना एवं अन्य जोखिमो के कारण होने वाली आर्थिक हानि से सुरक्षा के बरे में समझाया। जिस हेतु बीमा पॉलिसीयां की संक्षिप्त जानकारी एवं महत्व को बेनरो एवं पर्चो के माध्यम से समझाया गया।

इस अवसर पंचायत समिति सरपंच, सचिव सदस्य एवं यूनाइटेड इण्डिया इंष्योरेंस कम्पनी षाखा टोंक के वरिष्ठ प्रबन्धक रघुवीर खडकवाल एवं बीमा विकास कर्मचारी राजाराम गुर्जर उपस्थित रहें।

कोटपूतली नगर परिषद में आदित्य बिरला कंपनी ने जमा कराया 88.82 लाख का यूडी टैक्स

न्यूज ऑफ दि डे

जयपुर। कोटपूतली नगर परिषद द्वारा नगरीय विकास कर (यूडी टैक्स) व्यवस्था लागू किए जाने के बाद से राजस्व आय में लगातार इजाफा हो रहा है। अब देश की बड़ी कंपनी आदित्य बिरला अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी की ओर से वर्ष 2023-24 के लिए 88 लाख 82 हजार 322 रुपए का यूडी टैक्स जमा कराया है। इसके लिए नगर परिषद की ओर से कंपनी को 13 जून, 2023 को डिमांड नोटिस जारी किया गया था। इसकी एवज में कंपनी द्वारा यूडी टैक्स की राशि जमा करवाई गई है। कंपनी का कोटपूतली नगर परिषद क्षेत्र के मोहनपुरा में सीमेंट प्लांट लगा हुआ है। उल्लेखनीय है कि कोटपूतली नगर परिषद ने यूडी टैक्स के लिए याशी कंसल्टिंग सर्विसेज प्रा.लि. को अधिकृत किया हुआ है। कंपनी ने कोटपूतली क्षेत्र का सर्वे करने के बाद पारदर्शी तरीके से ऑनलाइन टैक्स जमा कराने की व्यवस्था लागू की है। इससे नगर परिषद की राजस्व आय में अच्छा खासा इजाफा हुआ है।

जारी रहेगी महंगाई से राहत दिलाने की मुहिम

जयपुर

। आमजन को महंगाई से राहत दिलाने की मुहिम लगातार जारी रहेगी। प्रत्येक परिवार तक राजस्थान सरकार की 10 बड़ी योजनाओं का लाभ पहुंचे, इसके लिए स्थाई महंगाई राहत शिविर का आयोजन जिला कलक्ट्रेट परिसर एवं पंचायत समिति मुख्यालयों पर अनवरत जारी रहेगा। आयोजना विभाग ने इसे लेकर जिला कलक्टर को पत्र लिखा है। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि 24 अप्रैल से आयोजित हो रहे महंगाई राहत कैंपों में अब तब 15 लाख 36 हजार 44 परिवारों को 55 लाख 84 हजार 327 मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड जारी किये जा चुके हैं। मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना के तहत 7 लाख 65 हजार 286, मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 10 लाख 70 हजार 643, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 10 लाख 70 हजार 643, मुख्यमंत्री निःशुल्क कृषि बिजली योजना में 88 हजार 659, मुख्यमंत्री निःशुल्क घरेलू बिजली योजना में 9 लाख 43 हजार 735 लाभार्थियों को गारंटी कार्ड जारी हुए हैं।

वहीं, महंगाई राहत कैंप में मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना में 6 लाख 96 हजार 490, इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 2 लाख 80 हजार 880, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 3 लाख 98 हजार 377, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में 2 लाख 41 हजार 613, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 28 हजार लाभार्थियों ने पंजीकरण करवा लिया है।

महंगाई राहत कैम्प: अब तक 1.76 करोड़ से ज्यादा परिवारों को मिला लाभ

जयपुर । प्रदेशवासियों को महंगाई से राहत दिलाने के लिए आयोजित महंगाई राहत कैम्प अपने उद्देश्य में पूरी तरह से सफल हो रहे हैं। अलग-अलग 10 योजनाओं के माध्यम से लोगों को आर्थिक बचत, सामाजिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जा रहा है। कैम्पों में रजिस्ट्रेशन के लिए लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा है। शुक्रवार शाम तक 1.76 करोड़ से ज्यादा परिवार इन कैम्पों से लाभान्वित हो चुके हैं, जबकि गांरटी कार्ड वितरण का आंकड़ा भी 7.52 करोड़ से अधिक का हो चुका है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार शाम तक इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 54.80 लाख, मुख्यमंत्री निरूशुल्क बिजली योजना में 92.55 लाख, मुख्यमंत्री निरूशुल्क कृषि बिजली योजना में 11.27 लाख, मुख्यमंत्री निरूशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना में 1.03 करोड़, मुख्यमंत्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में 66.56 लाख एवं इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 4.37 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। इसी प्रकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 51.20 लाख, मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना में 1.06 करोड़, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 1.30 करोड़ एवं मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 1.30 करोड़ से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए हैं।

एसीबी द्वारा आमजन जारूकता संवाद कार्यक्रम आयोजित

न्यूज ऑफ दि डे

टोंक (शहज़ाद खान)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार एसीबी टोंक ईकाई द्वारा ग्राम पंचायत देवपुरा में आमजन जागरूकता संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन, राजकीय अस्पताल देवपूरा पर एसीबी इकाई टोंक के एएसपी राजेश आर्य के नेतृत्व में हुआ चौपाल कार्यक्रम, एसीबी चौपाल कार्यक्रम में देवपुरा कस्बा सहित आसपास क्षेत्र के ग्रामीणों को भ्रष्टाचार रोकथाम से संबंधित जानकारी दी, किसी भी लोक सेवक द्वारा रिश्वत मांगकर नाजायज परेशान करने पर एसीबी के टोल फ्री नम्बर 1064 व मोबाईल नम्बर 9413502834 पर सूचना देने के लिए किया प्रेरित, एसीबी द्वारा मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस सोच से भ्रष्टाचार मुक्त राजस्थान बनाने की आमजन को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाई गई, इस मौके पर कार्यक्रम में एसीबी एएसपी राजेश आर्य, हनुमान शर्मा ,जलसिंह, ईश्वर शर्मा,राजकुमार ,अजीत सिंह एवं सरपंच देवपुरा सहित पीएचसी और राजस्व और ग्राम पंचायत के अधिकारी कर्मचारी व गणमान्य नागरिक रहे मौजूद।

नये शैक्षणिक सत्र के लिए शिक्षा मंत्री ने शुभकामनाएं दी

जयपुर

शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने प्रदेश में नये शैक्षणिक सत्र के लिए शिक्षकों और विद्यार्थियों सहित शिक्षा जगत से जुड़े अधिकारियों, कार्मिकों और शिक्षाविदों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. कल्ला ने अपने विशेष संदेश में कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल में स्कूली शिक्षा में प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अपूर्व प्रयास किए हैं जिनकी बदौलत धरातल पर सकारात्मक बदलाव हुआ है और राजस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों को व्यसनों से दूर रहते हुए अपने स्कूल, गांव, शहर, माता-पिता और गुरुजनों का नाम रोशन करने के लिए कड़ी मेहनत और लगन से अपने अध्ययन पर पूरा ध्यान केंद्रित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के समर्पित प्रयासों से गत सालों में बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम में निरंतर सुधार हुआ है।

शकर लाल हत्याकाण्ड में बेनीवाल के हस्तक्षैप से परिजनो ने उठाया शव

मृतक के परिजनो को 50 लाख की सहायता सहित संविदा की नौकरी पर माने

न्यूज ऑफ दि डे

टोंक (शहज़ाद खान)। जिले के पीपलू पुलिस थानान्तर्गत डोड़वाड़ी गांव में बजरी लीज कर्मियों की तरफ से युवक शंकर मीणा से मारपीट में हुई मौत मामले में रालोपा के सुप्रीमो व सांसद हनुमान बेनीवाल एवं भाजपा प्रत्याशी रामसहाय वर्मा,भाजपा जिला महामंत्री प्रभु बाडोलिया की अगुवाई में शुक्रवार की तड़के जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल, एसपी राजर्षिराज से हुई वार्ता के बाद शुक्रवार की तड़के आंदोलन खत्म किया गया। ग्रामीणों की मांग मृतक के परिजनों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता,एफआईआर में नामजद बजरी लीज कर्मियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने,पीपलू एसएचओ प्रहलाद सहाय को हटाए जाने,संविदा में सरकारी नोकरी दिए जाने का आश्वासन दिया गया।

रालोपा के सुप्रीमो व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल बृहस्पतिवार की शाम को डोड़वाड़ी गांव पहुंचे थे जिन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार को कोसते हुए कहा कि राजस्थान में सिर्फ सरकार ही बजरी में लिप्त नही है बल्कि सरकार ही माफिया चला रहे है।उन्होंने बनास नदी में बजरी लीज धारक कर्मियों द्धारा ट्रेक्टर चालक शंकर मीणा की हत्या की जाने की कड़े शब्दों में निंदा की। बेनीवाल ने दो टूक शब्दों में कहा कि स्वर्गीय शंकर मीणा के परिजनों को न्याय नही मिलेगा उस वक्त तक वह यहां से नही उठेंगे।वही भाजपा प्रत्याशी रामसहाय वर्मा, भाजपा जिला महामंत्री प्रभु बाडोलिया ,रालोपा विधायक इंदिरा,पुखराज गर्ग सहित ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठ गए।सांसद हनुमान बेनीवाल के आंदोलन में कूदने के बाद जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग की उच्चस्तरीय बैठक हुई तथा शुक्रवार की तड़के पांच बजे अचानक जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल, जिला पुलिस अधीक्षक राजर्षिराज सहित अन्य अधिकारीगण डोड़वाड़ी गांव पहुंचे।जिन्होंने सांसद हनुमान बेनीवाल, भाजपा प्रत्याशी रामसहाय वर्मा भाजपा जिला महामंत्री प्रभु बाडोलिया एवं ग्रामीणों से वार्ता की जिसके बाद ग्रामीणों की मांगों पर सहमति के बाद आंदोलन खत्म किए जाने की घोषणा की गई ।करीबन 56घण्टे बाद मृतक शंकर मीणा का शव उठाया गया। ग्रामीणों के बीच पहुंची जिला कलक्टर एवं एसपी राजर्षिराज ने मृतक के परिजनों को 50लाख की आर्थिक सहायता,एक आश्रित को संविदा में नोकरी दिए जाने तथा सरकारी नोकरी के लिए राज्य सरकार से अनुशंषा प्रस्ताव भिजवाए जाने की घोषणा की गई।साथ ही हत्या में लिप्त बजरी लीज कर्मियों व पुलिस कर्मियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करके इस केस को पुलिस ऑफिसर स्कीम में लिए जाने,जांच के लिए एसआईटी का गठन किए।

नगर परिषद ए.ई.एन मीणा की हटधर्मिता को लेकर वार्ड पार्षदो ने की कलेक्टर से शिकायत

न्यूज ऑफ दि डे

टोंक (शहज़ाद खान)। नगर परिषद में कार्यरत कार्मिक धमेन्द्र मीणा (ए.ई.एन) के द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ बीते दिन 30 जून को वार्ड पार्षदो द्वारा जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया कि नगर परिषद टोंक में ए०ई०एन० धर्मेन्द्र मीणा काफी समय से कार्यरत है और टोंक नगर परिषद क्षेत्र में होने वाले कई निर्माण कार्यों में ठेकेदारो के साथ इसकी सांठ-गांठ होने के कारण परिषद क्षेत्र में चल रहे कई कार्यों में अनियमितताएं बरती जा रही है तथा गुणवत्ता की कोई जांच नही हो रही हैं। किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा किसी कार्य की शिकायत की जाती है तो इनके द्वारा जांच न करके मात्र शिकायतकर्ता को समझाकर भेज दिया जाता है। अगर किसी वार्ड में नये कार्य हेतु आवेदन किया जाता है तो उसका एस्टीमेट ए०ई०एन० द्वारा ही बनाया जाता है, तब ए०ई०एन० द्वारा जिस वार्ड का कार्य होता है, उस वार्ड के पार्षद को बुलाकर समझाईष कर बोला जाता है कि वार्ड में कोई कार्य कराना है तो रिश्वत देना होगा और कहता है कि चैयरमेन वगै0 से अनुमोदित करवा कर कार्य करवा दूंगा। इन्ही के मार्गदर्शन में शहरी रोजगार, मनरेगा योजना के तहत शहर में निर्माण कार्य किये जा रहे है। उन कार्यो में भी ठेकेदार के साथ इनकी मिलीभगत है, इस योजना के अन्तर्गत इन्टर लोकिंग व गिट्टी कार्य किये जा रहे है, गिट्टी कार्य 4 इंच में होना आवश्यक है, किन्तु इनकी व ठेकेदार की मिलीभगत से 2 इंच गिट्टी की जा रही है, जो उखड भी रही है, इस बाबत शिकायत पर भी नगर परिषद द्वारा कोई जांच नही की गई। जिस पर उक्त कार्य में ए०ई०एन० एवं ठेकेदार की मिलीभगत है और परिषद क्षैत्र में चल रहे निर्माण कार्यो में जे०ई०एन० व एक्त०ई०एन० द्वारा किसी वार्ड या परिषद क्षेत्र में कोई कार्य बताया जाता है तो ठेकेदार द्वारा यह कहा जाता है कि जब तक ए०ई०एन० धर्मेन्द्र मीणा इस कार्य की अनुमति नही देगें जब तक कार्य नही किया जायेगा, उसके पश्चात ठेकेदार या पार्षद ए०ई०एन० धर्मेन्द्र मीणा के पास जाता है तब धर्मेन्द्र मीणा द्वारा ठेकेदार से कमीशन के रूप में व पार्षद से बतौर रिश्वत रूपयो की मांग करता है। इस सन्दर्भ में परिषद के उच्च अधिकारीयों को भी अवगत कराया जा चुका है, परन्तु उन अधिकारीयों के द्वारा अब तक कोई कार्यवाही नही की गई है और कोई भी व्यक्ति धर्मेन्द्र मीणा से किसी भी कार्य के लिये आग्रह करता है तो इनका व्यवहार काफी अभद्रता पूर्ण रहता है। वार्ड पार्षदो ने जिला कलेक्टर से ए०ई०एन० धर्मेन्द्र मीणा द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार की जांच करे एवं ऐसे भ्रष्ट व्यक्ति को नगर परिषद टोंक से निलम्बित कर अन्यत्र स्थान पर स्थानान्तरण करने की मांग की गई है। हिम्मत सिंह, बीना जैन, बादल साहू, गणेष माहुर, रामावतार, ज्योति सोनी, मोहम्मद यासिन, राहुल गुर्जर, मोहम्मद कमर, मुकेष किराड, कान्हूराम, सीमा सैनी, आदिस अजमल, मो. युसुफ, रामचरण साहु, ममता सहित कई पार्षदो ने वार्डो में हो रही भष्टाचार को लेकर षिकायत की।

प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद शाहनवाज अली द्वारा मैं डी.बी. कॉर्प लिमिटेड के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा रेलवे क्रॉसिंग, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं विटोरियन एपायर, दीपक मार्ग, एम.डी.रोड, जयपुर से प्रकाशित। प्रधान सपादकः सैयद शाहनवाज अली। प्रबंध सपादकः असलम रशीद उस्मानी। *समाचार चयन के लिए पीआरबी एट के तहत जिममेदार।